तापमान
अधिकतम 35 .8 डिग्री
न्यूनतम 21.9 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 14 सितंबर 2025

11 पीजीआई में बीमार बच्चे अब झूलों का ले सकेंगे ...

12 इंडस पब्लिक स्कूल में मनाया हिंदी दिवस

सैनी संस्था के कार्यक्रम को लेकर उपायुक्त सचिन गुप्ता ने तैयारियों का लिया जायजा, दिए जरूरी दिशा निर्देश

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज शहर में, सैनी संस्था के समारोह में करेंगे शिरकत

मुख्यमंत्री 17 को भी अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को सैनी शिक्षण संस्थाओं के कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। शनिवार शाम क डीसी ने तैयारियों का जायजा लिया। वे कार्यक्रम स्थल सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर पहुंचे। उन्होंने सोसायटी के पदाधिकारियों से तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की अलग-अलग जिम्मेदारियां निर्धारित की गई है। मौके पर ही सभी से तैयारियों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त करके दिशा-निर्देश जारी किए। इस दौरान अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, एएसपी वाईवीआर शशि शेखर, रोहतक के एसडीएम आशीष कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त मनजीत कुमार, मंडल आयुक्त के ओएसडी शुभम, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल आदि मौजूद थे। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 17 सितंबर के प्रस्तावित द्वारा कार्यक्रम को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों से तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। डॉ. आनंद शर्मा मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निष्ठा पूर्वक निर्वहन करें और कार्यक्रम को सफल बनाएं।

रोहतक। लघु सचिवालय के सभागार में अधिकारियों की बैठक लेते नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ।

रोहतक। कार्यक्रम स्थल सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर का निरीक्षण करते डीसी सचिन गुप्ता व अन्य अधिकारी।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा सदन का उद्घाटन करेंगे

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 14 सितंबर को प्रातः 10 बजे सैनी एजुकेशन सोसायटी के 75 वें स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि सैनी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सैनी महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षा सदन का उद्घाटन करेंगे और सैनी पब्लिक स्कूल भवन की आधारशिला भी रखेंगे।

बैठक में ये अधिकारी मौजूद रहे

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सांपला के एसडीएम उत्सव आनंद, एएसपी वाईवीआर शशि शेखर व प्रतीक अग्रावल, रोहतक के एसडीएम आशीष कुमार, महम के एसडीएम मुकुंद तंवर, आरटीए सचिव वीरेंद्र सिंह ढुल, नगराधीश अंकित कुमार, परिवहन महाप्रबंधक विपिन कुमार, मंडल आयुक्त के ओएसडी शुभम, सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद्र आर्य सहित अन्य संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

गौड़ ब्राह्मण कॉलेज में विशेष कक्षाएं शुभारंभ

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण शिक्षण महाविद्यालय में रिसर्च एंड डेवलपमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बीएड के विद्यार्थियों के लिए एच-टेट और सी-टेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं की शुरुआत की गई। इस अवसर पर डॉ. अंकित अत्री और रचना विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। सीआईए-2 की टीम ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। गश्त के दौरान युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान प्रीतम निवासी गांव नांगल जिला सोनीपत के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ थाना शिवाजी कॉलोनी में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

एनएसएस का विवि लेवल ट्रायल कैंप 15

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में 15 सितम्बर को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का यूनिवर्सिटी लेवल प्री-आरडी ट्रायल कैंप आयोजित किया जाएगा। एनएसएस प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर प्रो सविता राठी ने बताया कि का यूनिवर्सिटी लेवल प्री-आरडी ट्रायल कैंप के तहत परेड की ट्रायल प्रातः 10 बजे एमडीयू खेल परिसर में आयोजित की जाएगी, तदुपरांत सांस्कृतिक गतिविधियों की ट्रायल टैगोर सभागार में दोपहर 2 बजे से प्रारम्भ होगी।

लाठी-डंडों से हमले के मामले में दो आरोपी धरे

रोहतक। पुलिस ने उपचार के दौरान हाल नजफगढ़ दिल्ली निवासी दीपक की हुई मौत के मामले में दो आरोपियो को गिरफ्तार किया गया है। 9 सितंबर को दीपक व विकास पर रुपये के लेन देने को लेकर खिड़वाली में आरोपियों द्वारा लाठी-डंडो से हमला किया गया था। 10 सितंबर को चोटों के कारण दीपक की मौत हो गई। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है।

63 हजार की ठगी के मामले में आरोपी धरे

रोहतक। पुलिस ने 63 हजार रुपये की ठगी करने वाले गिरोह में शामिल एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश करके तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है। सिविल लाइन थाना प्रभारी पीएसआई अंकिता ने बताया कि 27 मार्च को खाना प्ले जॉन नामक प्राइवेट कम्पनी के मैनेजर राजेश की शिकायत पर दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

रोष : गरीबों के आशियाने उजड़े, सवाल योजनाओं में नाम होने के बावजूद क्यों नहीं मिला हक

नई अनाज मंडी के सामने झुग्गियां तोड़ने पर हंगामा

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने डीसी, एसडीएम और एसपी से 3-4 दिन का समय देने की मांग की और कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी आज रोहतक आ रहे हैं, वे गरीबों की झुग्गियां टूटते हुए बिल्कुल नहीं देखना चाहेंगे।

प्लॉट योजना और वादों पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शनिवार को उस समय बड़ा हंगामा खड़ा हो गया जब हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण पुलिस बल और बुलडोजर के साथ अनाज मंडी के सामने झुग्गी-झोपड़ी तोड़ने पहुंचा। इन झुग्गियों में कई परिवार सालों से रह रहे थे। अचानक कार्रवाई से लोगों में अफरातफरी मच गई। सूचना मिलते ही सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिंद मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीसी, एसडीएम और एसपी से 3-4 दिन का समय देने की मांग की और कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी 14 सितंबर को रोहतक आ रहे हैं, वे गरीबों की झुग्गियां टूटते हुए बिल्कुल नहीं देखना चाहेंगे।

नवीन जयहिंद ने नीतियों और योजनाओं पर भी बड़े सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि सरकार बार-बार दावा करती है कि स्लम बस्तियों में रहने वालों को प्लॉट और आवास दिए जाएंगे, लेकिन हकीकत इसके उलट है। झुग्गियों में रहने वाले परिवारों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत फार्म भरे, राशन कार्ड, आधार कार्ड और वोटर कार्ड भी बनाए, फिर भी उन्हें अब तक सिर छुपाने के लिए स्थायी छत नहीं मिली।

रोहतक। नई अनाज मंडी के सामने झुग्गी तोड़ने पर हंगामा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

जयहिंद ने सरकार से किया सीधा सवाल

नवीन जयहिंद ने सवाल किया कि स्लम बस्ती योजना के तहत जब प्लॉट दिए गए तो ये लोग क्यों वंचित रह गए। इनकी सूची में नाम होने के बावजूद इनका हक कहां गायब हो गया। क्या गरीब होना ही इनका अपराध है। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के पास रोहतक के वोटर कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड हैं। यह साफ साबित करता है कि ये लोग रोहतक के ही निवासी हैं। ऐसे में इनकी उपेक्षा करना न केवल अन्याय है बल्कि सरकारी योजनाओं की असलियत भी उजागर करता है।

फॉर्म भरे, दस्तावेज बनाए फिर भी छत नहीं

मौके पर मौजूद लोगों ने जयहिंद को बताया कि वे कोई अवैध कब्जा नहीं कर रहे। वे मजदूरी करते हैं, सड़क और रेलवे निर्माण जैसे कामों में दिन-रात पसीना बहाते हैं, लेकिन प्रशासन ने उनकी झुग्गियां उजाड़ दीं। कई परिवारों ने बताया कि उन्होंने पीएम आवास योजना में आवेदन किया था, लेकिन न तो प्लॉट मिला और न मकान। झुग्गी ही उनका सहारा थी, जिसे अब प्रशासन ने छीन लिया।

सिर्फ वादे नहीं, हमें पक्का घर चाहिए

झुग्गियों में रहने वाले परिवारों का कहना है कि वे किसी पर बोझ नहीं बनना चाहते। उन्हें बस जीने लायक सिर छुपाने की जगह चाहिए। वे वर्षों से चुनाव में वोट डालते आए हैं, हर योजना में फॉर्म भरते रहे हैं, लेकिन कभी लाभ नहीं मिला। उनका कहना था कि अब सिर्फ कागजी वादों से उनका पेट नहीं भरेगा और न ही बच्चों को छत मिलेगी।

प्रशासन पर भरोसा टूटा मुख्यमंत्री से उम्मीद

लोगों का कहना है कि बार-बार की गई कार्रवाई ने उनके भरोसे को तोड़ दिया है। वे अब मुख्यमंत्री नायब सैनी से सीधी उम्मीद लगाए बैठे हैं कि 14 सितंबर को उनके दौरे के दौरान इनकी व्यथा सुनी जाएगी और उन्हें रहने के लिए उचित जगह दी जाएगी। लोगों का कहना है हमारे पास घर नहीं है किसी तरह से झुग्गी झोपड़ी बना कर रह रहे है प्रशासन इसमें में भी रहने नहीं दे रहा है अब हम लोग कहां जाए।

पीजीआईएमएस निदेशक डॉ. सिंघल बोले

बिना आई कार्ड ड्यूटी पर आए तो लगेगी गैर हाजिरी

बिना प्रोटोकॉल फॉलो किए ओटी में नहीं मिलेगा प्रवेश: डॉ. सिंघल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

यदि कोई भी चिकित्सक, इंटर्न या स्टाफ बिना आईडी कार्ड के ड्यूटी पर आता है तो उसकी गैर हाजिरी लगेगी। ड्यूटी पर आने वाले हर कर्मचारी के पास उसकी पहचान के लिए आईडी कार्ड होना जरूरी है। किसी भी चिकित्सक या स्टाफ के कार्य मे कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हमें अपनी ड्यूटी को पूरी निष्ठा के साथ करना चाहिए। यह कहना है पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसके सिंघल का। वें शनिवार सुबह धनवंतरी एपेक्स ट्रामा सेंटर के औचक निरीक्षण पर पहुंचे थे। अपने निरीक्षण के दौरान मिली कमियों को उन्होंने जल्द से जल्द ठीक करने के सख्त आदेश देते हुए कहा कि वें पूरे अस्पताल में चौबीस घंटे किसी भी समय राउंड ले सकते हैं। कोई यह ना सोचे कि दिन में ही राउंड होगा वें रात को भी औचक निरीक्षण कर सकते हैं किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलती है तो वें बर्दाश्त नहीं करेंगे।

धनवंतरी एपेक्स ट्रामा सेंटर का निरीक्षण करते निदेशक डॉ. एसके सिंघल।

आयुक्त ने किया एमटीएफसी संस्था का दौरा

शिक्षा से ही सभ्य समाज की हो सकती है स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कन्हेली रोड स्थित एमटीएफसी संस्था में स्पेशल विजिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें नगर निगम डॉ. आनंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें माला पहनाकर एवं बच्चों ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। मंच संचालन का कार्य मिनाक्षी ढ़ल ने किया। इस अवसर पर संस्था प्रधान नरेश ढ़ल ने आयुक्त को संस्था द्वारा किए जाने वाले सेवाकार्यों एवं गतिविधियों से अवगत करवाया। अवलोकन के दौरान डॉ. आनंद शर्मा ने संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज की प्रगति एवं जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षा से ही सभ्य समाज की स्थापना हो सकती है। एमटीएफसी संस्था गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों के जीवन में शिक्षा की ज्योत जला कर उन्हें सभ्य बनाने का प्रयास कर रही है। इस अवसर पर आर एन छाबड़ा, डॉ. जगदीश मलिक, आशीष मित्तल, नीलम बंसल, नवीन भारद्वाज, रूपिन गर्ग, सुभाष गुप्ता, श्याम नाथ शर्मा, तस्वीर सिंह हुड्डा, साहिल, बजरंग आदि मौजूद रहे।

एमडीयू प्रशासन की छात्र संगठनों के साथ से बैठक

नशा मुक्ति, अनुशासन और स्वच्छता को लेकर मंथन

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय में विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारियों और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच एक विचारशील बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर हरबीर सिंह (सेवानिवृत्त) ने की। प्रॉक्टर प्रो रणदीप राणा इस अवसर पर विशेष रूप से मौजूद रहे। इस बैठक में विभिन्न छात्र संगठनों के पदाधिकारियों ने कैंपस में सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण बनाने, नशा मुक्त परिसर सुनिश्चित करने, स्वच्छता और हरियाली को प्रोत्साहित करने, तथा अनुशासन बनाए रखने को लेकर पूर्ण सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। सभी प्रतिनिधियों ने एकमत से सहमति व्यक्त की कि विद्यार्थी शक्ति को सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ना आज की जरूरत है। मुख्य सुरक्षा सलाहकार ब्रिगेडियर हरबीर सिंह ने छात्र प्रतिनिधियों के विचारों और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की भागीदारी किसी भी शैक्षणिक संस्थान के विकास में एक मजबूत आधार होती है। एमडीयू के छात्र प्रतिनिधि अनुशासन, जागरूकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करेंगे।

नगर निगम का स्वच्छता अभियान तेज, प्रर्यावरण बचाने आगे आएं लोग

गीले-सूखे कूड़े को अलग -अलग करें

स्वच्छता को लेकर फिल्ड उतरी अगमजोत कौर और 'ग्रेसी' कठपुतली कॉमेडियन ने किया जागरूक

लोगों से की अपील गीले व सूखे कूड़े के लिए डबलबिन वाला डस्टबीन प्रयोग करें

वार्ड-20 में चलाया सफाई अभियान, कहा डस्टबीन जरूर रखें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

नगर निगम द्वारा हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 को सफल बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। नगर निगम की टीमें फिल्ड में कार्य कर रही है तथा आमजन को स्वच्छता के कार्य में जोड़ा जा रहा है।

शनिवार को अगमजोत कौर व ग्रेसी कठपुतली कामेडियन ने वीडियो के माध्यम से मार्केट क्षेत्र में डस्टबीन रखने संदेश दिया गया, जिस दौरान उन्होने अपील की है कि गीले व सूखे कूड़े के लिए डबलबिन वाला डस्टबीन अवश्य रखे। क्योकि गीला व कूड़ा अलग-अलग करने से कूड़ा निष्पादन के कार्य में आसानी होती है तथा पर्यावरण के लिए भी लाभदायक है। पूर्व में भी अगमजोत कौर व ग्रेसी कठपुतली कामेडियन ने स्वच्छता को लेकर विडियो के माध्यम से सदेंश दिए गए है तथा इस विडियो से आमजन भी आमजन तक एक अच्छा संदेश पहुंचेगा जोकि शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने में सहयोगी होगा।

नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि नगर निगम द्वारा प्रतिदिन एक वार्ड के साथ-साथ मुख्य मार्गो पर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। वार्ड-20 में वार्ड सदस्य प्रवीन कौशिक व जनभागीदारी से विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिस दौरान सफाई अभियान के साथ-साथ आमजन को भी स्वच्छता के बारे जागरूक किया गया व सहयोग की अपील भी की गई।

साफ सफाई में लोगों से मांगा सहयोग

विशेष अधिकारी (स्वच्छता) प्रदीप कौशिक ने बताया कि प्रतिदिन स्वच्छता के कार्य में भाग लिया जा रहा है तथा नागरिकों से अभियान में जुड़ने के अपील की जा रही है। नागरिक भी स्वच्छता के कार्य में सहयोग के लिए आगे आ रहे है। स्वच्छता का कार्य जनभागीदारी के बिना संभव नहीं है तथा आप सभी के सहयोग से ही शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाया जा सकता है। स्वच्छता का कार्य अपने मकान, दुकान, संस्थान से आरंभ करते हुए डस्टबीन अवश्य रखे क्योकि डस्टबीन है जरूरी इसके बिना सफाई है अधूरी। डस्टबीन यदि नहीं होगा तो गंदगी को इधर-उधर ही फैका जाएगा तथा गंदगी फैलेगी। आप सभी से पुन अपील है कि अपने मकान, दुकान, संस्थान से आरंभ करते हुए डस्टबीन अवश्य रखें।

फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में बढ़ा निवेश

■ इक्विटी फंड्स का नेट इनफ्लो 22% तक घटा ■ एएमएफआई ने अगस्त 2025 के आंकड़े जारी किए ■ अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा

बिजनेस डेस्क

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अगस्त 2025 के निवेश और रिडेम्पशन के लेटेस्ट आंकड़े जारी कर दिए हैं। ये आंकड़े म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के ताजा रुझानों की दिलचस्प तस्वीर पेश करते हैं। अगस्त 2025 में निवेशकों ने जहां एक ओर इक्विटी फंड्स में लगातार पैसे डाले हैं, वहीं डेट फंड्स से बड़े पैमाने पर पैसे निकाले गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अगस्त 2025 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लिए मिला-जुला महीना रहा। कुल नेट इनफ्लो 33,430 करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई 2025 के 42,702 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 22% कम है। हालांकि यह गिरावट दिखाती है कि निवेशक थोड़े सावधान हो गए हैं, लेकिन यह भी सच है कि यह लगातार 54वां महीना है जब इक्विटी फंड्स में नेट इनफ्लो देखने को मिला।

फ्लेक्सी, मिड और लार्ज कैप में इनफ्लो बढ़ा

अगस्त में सबसे ज्यादा निवेश फ्लेक्सी कैप फंड्स में आया। इस कैटेगरी में 7,679 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ, जो जुलाई के 7,654.33 करोड़ रुपये के नेट-इनफ्लो के मुकाबले थोड़ा बेहतर रहा। मिड कैप फंड्स में भी 5,330 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा, जबकि जुलाई में यह 5,182 करोड़ रुपये था। दिलचस्प बात यह रही कि लार्ज कैप फंड्स में 2,835 करोड़ रुपये का नेट निवेश आया, जो जुलाई के 2,125 करोड़ रुपये से 33% ज्यादा रहा। हालांकि, स्मॉल कैप फंड्स में निवेश की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ी और इसमें नेट इनफ्लो जुलाई के 6,484 करोड़ रुपये से घटकर अगस्त में 4,993 करोड़ रुपये रह गया।

डेट फंड्स में निकासी का दबाव

अगस्त 2025 में डेट म्यूचुअल फंड्स ने बड़ा झटका खाया। कुल मिलाकर इस कैटेगरी से 7,980 करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो हुआ। यह तब है जब जुलाई 2025 में इन्हीं फंड्स में 1.07 लाख करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ था। कई सब-कैटेगरी जैसे कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स, बैंकिंग एवं पीएसयू फंड्स और गिल्ट फंड्स से पैसे निकाले गए। इसका बड़ा कारण कॉर्पोरेट्स और संस्थागत निवेशकों की तरफ से मनी मार्केट और लिक्विड फंड्स से निकासी बताई जा रही है, जो आमतौर पर तिमाही खत्म होने के बाद होती है।

हाइब्रिड फंड्स का आकर्षण बरकरार

हाइब्रिड फंड्स में निवेशकों का भरोसा जारी रहा। अगस्त में इसमें 15,294 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो दर्ज हुआ। हालांकि यह जुलाई के 20,879 करोड़ रुपये से कम है, लेकिन फिर भी इससे संकेत मिलता है कि निवेशक बैलेंस्ड और डायनैमिक स्ट्रेटजी वाले फंड्स को पसंद कर रहे हैं।

गोल्ड ईटीएफ और इंडेक्स फंड्स रहे फेवरिट

गोल्ड ईटीएफ अगस्त में निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर रहे. इनमें 2,190 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो आया, जो जुलाई के 1,256 करोड़ रुपये की तुलना में करीब 74% ज्यादा है. इससे यह भी पता चलता है कि सोने की कीमतों में लगातार मजबूती और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मौजूदा चुनौतियों के कारण निवेशक गोल्ड को सुरक्षित ऑप्शन मान रहे हैं। इंडेक्स फंड्स और अन्य ईटीएफ का आकर्षण भी बरकरार है। अगस्त में इंडेक्स फंड्स का एयूएम करीब 3.04 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 1,503 करोड़ रुपये रहा, जबकि अन्य ईटीएफ का एयूएम करीब 8.42 लाख करोड़ रुपये और नेट इनफ्लो 7,244 करोड़ रुपये रहा।

एनएफओ कलेक्शन में भारी गिरावट

जुलाई में म्यूचुअल फंड्स की 30 नई स्कीम्स या न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) लॉन्च हुए थे और उनके जरिये 30,416 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। लेकिन अगस्त में एनएफओ की संख्या घटकर 23 और जुटाई गई रकम सिर्फ 2,859 करोड़ रुपये रह गई।

फोलियो नए रिकॉर्ड पर, कुल एयूएम घटा

इंडस्ट्री का कुल एयूएम अगस्त में 75.19 लाख करोड़ रुपये रहा, जो जुलाई के 75.36 लाख करोड़ रुपये से मामूली रूप से कम है, लेकिन इस दौरान फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 24.89 करोड़ हो गई। जुलाई में यह संख्या 24.57 करोड़ थी। यानी निवेशकों के लगभग 32 लाख नए खाते जुड़े, जो यह दिखाता है कि छोटे निवेशक लगातार इस इंडस्ट्री का हिस्सा बन रहे हैं। अगस्त 2025 का महीना इस लिहाज से अहम रहा कि इक्विटी फंड्स में पैसे आते रहे, लेकिन रफ्तार धीमी हुई। फ्लेक्सी कैप, मिड कैप और लार्ज कैप फंड्स में निवेशकों का भरोसा दिखा, जबकि स्मॉल कैप में सावधानी दिखी। दूसरी ओर, डेट फंड्स ने करारा झटका खाया. हाइब्रिड फंड्स और गोल्ड ईटीएफ निवेशकों को आकर्षित करते रहे।

निवेश का जैकपॉट : कुछ इक्विटी फंड्स ने 10 साल में दिया 533 से 678% तक रिटर्न

लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड सबसे बेहतर

सात फंड ऐसे हैं, जिनमें 20% सालाना से अधिक रिटर्न निवेशको को मिला

इन फंड्स को खरीदने वाले निवेशक भी मालामाल, जमकर किया निवेश

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार बाजार के बारे में रिसर्च जरूर कर लें। इससे आपको निवेश में आसानी रहेगी और पैसे का नुकसान नहीं होगा। बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को जान लें। इसके बाद निवेश करेंगे जो मुनाफे में ही रहेंगे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें। म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे अच्छे विकल्पों में एक माने जाते हैं। निवेश की अवधि जितना अधिक होगी, कंपाउंडिंग का उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। लंबी अवधि का मानक 10 साल मानें तो कई इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम निवेशकों के लिए जैकपॉट साबित हुई हैं। इनमें से 7 फंड तो ऐसे हैं, जिनमें 20 फीसदी सालाना से अधिक रिटर्न मिला है। इनका 10 साल में एबसॉल्यूट रिटर्न 533 से 678 फीसदी रहा है। इसका मतलब है कि इन्होंने इस अवधि में निवेशकों का पैसा 6 से 7.5 गुना बढ़ा दिया। हमने इस रिपोर्ट में ईटीएफ को शामिल नहीं किया है।

म्यूचुअल फंड में निवेश करने जा रहे हैं तो हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें

●

बाजार में पैसा लगाने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य को पहचान लें

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 22.78% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,78,532 रुपये (7.79 लाख)
- रेटिंग : 5 स्टार
- कुल एसेट्स : 64,821 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 5 साल का रिटर्न : 21.86% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 7,22,124 रुपये (7.22 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 11,396 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.58% (31 अगस्त, 2025)

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.47% सालाना
- लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,857 रुपये (6.44 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 36,294 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.69% (31 अगस्त, 2025)

एक्सिस स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.46% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,43,622 रुपये (6.43 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 25,569 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.57% (31 अगस्त, 2025)

इन्वेस्को इंडिया मिड कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.39% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,39,594 रुपये (6.40 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 8,063 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.56% (31 अगस्त, 2025)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.30% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,34,828 रुपये (6.35 लाख)
- रेटिंग : 3 स्टार
- कुल एसेट्स : 35562.96 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.73% (31 अगस्त, 2025)

क्वांट स्मॉल कैप फंड

- 5 साल का रिटर्न : 20.25% सालाना
- 1 लाख निवेश की वैल्यू : 6,32,195 रुपये (6.32 लाख)
- रेटिंग : 4 स्टार
- कुल एसेट्स : 28,758 करोड़ रुपये (31 अगस्त, 2025)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.72% (31 अगस्त, 2025)

क्या हैं इक्विटी फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका उद्देश्य निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे अपने निवेश पर अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकें।

इक्विटी फंड के प्रकार

1. **लार्ज-कैप फंड:** ये फंड बड़े कैप शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कंपनियों के शेयर होते हैं।
2. **मिड-कैप फंड:** ये फंड मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर तेजी से बढ़ने वाली कंपनियां होती हैं।
3. **स्मॉल-कैप फंड:** ये फंड छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो आमतौर पर उच्च जोखिम और उच्च रिटर्न की संभावना के साथ आते हैं।
4. **सेक्टोरल फंड:** ये फंड विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करते हैं, जैसे कि टेक्नोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, या ऑटोमोबाइल।

इक्विटी फंड के लाभ

1. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड निवेशकों को विविधीकरण का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने निवेश को विभिन्न शेयरों में फैला सकते हैं।
2. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं, जो निवेशकों के लिए निवेश के निर्णय लेते हैं।
3. **लिक्विडिटी:** इक्विटी फंड निवेशकों को अपने निवेश को आसानी से बेचने और नकदी प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इक्विटी फंड के जोखिम

1. **बाजार जोखिम:** इक्विटी फंड शेयर बाजार में निवेश करते हैं, जो बाजार की अस्थिरता के कारण जोखिम भरा हो सकता है।
2. **कंपनी-विशिष्ट जोखिम:** इक्विटी फंड विशिष्ट कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं, जो कंपनी-विशिष्ट जोखिमों के अधीन हो सकते हैं।
3. **इक्विटी फंड:** निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है जो शेयर बाजार में निवेश करने के इच्छुक हैं और जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं

करोड़पति बनाने वाली स्कीमों में लोग कर रहे जमकर निवेश, आठ गुणा तक बढ़ा पैसा

सिर्फ 9 साल में छू लिया आसमानी आंकड़ा, 28,265 करोड़ कर डाले निवेश, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश लगातार बढ़ रहा

अपने पैसे को लोग अलग-अलग स्कीम में निवेश करते हैं। किसी स्कीम में रिटर्न कम मिलता है तो किसी में ज्यादा। वहीं जो लोग जोखिम लेते हैं, वे एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें लगातार छोटी रकम के निवेश से ही व्यक्ति करोड़पति बन सकता है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में हर महीने जमा होने वाला पैसा पिछले नौ सालों में लगभग आठ गुना बढ़ गया है। व्हाइटओक कैपिटल म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2016 में एसआईपी के जरिए कुल 3,497 करोड़ रुपये आए थे। अगस्त 2025 तक ये आंकड़ा बढ़कर 28,265 करोड़ रुपये हो गया है। इससे पता चलता है कि निवेशकों का एसआईपी पर भरोसा बढ़ रहा है। वे इसे पैसे बनाने का एक अच्छा तरीका मान रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह लगातार वृद्धि दिखाती है कि एसआईपी में निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है।

कितना रहा रिटर्न : अगस्त 1996 से अगस्त 2025 के बीच एसआईपी से मिलने वाला सबसे ज्यादा रिटर्न 55.6 प्रतिशत रहा। वहीं, सबसे कम रिटर्न -24.6 प्रतिशत रहा। लेकिन अगर औसत रिटर्न की बात करें, तो यह 14-16 प्रतिशत के आसपास रहा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने कितने समय के लिए निवेश किया है।

निवेश का कौन सा समय सही : रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मार्केट में कब निवेश करना है, यह इतना जरूरी नहीं है जितना कि निवेश करते रहना। अगर आपने मार्केट के टॉप पर भी एसआईपी शुरू की थी, तो भी आपको लंबे समय में अच्छा फायदा हुआ होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी ने जनवरी 2008 में 10,000 रुपये की मंथली एसआईपी शुरू की थी, जो कि ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस से ठीक पहले का समय था, तो भी अगस्त 2025 तक उसका 21.2 लाख रुपये का निवेश बढ़कर 75.23 लाख रुपये हो गया होता। इस पर उसे लगभग 13 प्रतिशत का एक्सआईआरआर मिला होता। एक्सआईआरआर एक तरीका है जिससे पता चलता है कि आपके निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिला है।

किस कैटेगरी का कितना रिटर्न : दिलचस्प बात यह है कि रिपोर्ट में यह भी पाया गया है कि मिड-कैप एसआईपी ने लॉन्ग टर्म में लार्ज-कैप और स्मॉल-कैप कैटेगरी से बेहतर रिटर्न दिया है। मिड-कैप एसआईपी का एवरेज रिटर्न 17.4 प्रतिशत रहा, जबकि लार्ज-कैप का 13 प्रतिशत और स्मॉल-कैप का 14.7 प्रतिशत रहा।

कोई भी लोन लेने से पहले फायदे और नुकसान को जान लें

फिक्स्ड, फ्लोटिंग या फिर हाइब्रिड होम लोन के लिए कौन-सी ब्याज दर बेहतर, फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते जब ब्याज दरें बढ़ रही हों

तैयारी

बिजनेस डेस्क

जब लोन पर घर खरीदने जार रहे हों तो एक बार बैंकों की ब्याज दरों को जांच लें। किसी जानकारी से सलाह ले लें। इससे आपको परेशानी नहीं होगी और आसानी से घर खरीद सकेंगे। अक्सर जब लोग घर खरीदने के लिए होम लोन लेते हैं, तो सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि किस तरह का इंटरेस्ट रेट चुना जाए। फिक्स्ड, फ्लोटिंग और हाइब्रिड तीनों विकल्पों के अपने फायदे और नुकसान हैं। सही चुनाव करने से आपकी ईएमआई और लंबे समय की फाइनेंशियल प्लानिंग पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए इस सवाल का जवाब लोन लेने से पहले ही जान लेंगे तो आसानी रहेगी।

फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट लोन

- फिक्स्ड रेट में आपकी ईएमआई पूरी लोन अवधि या शुरुआती कुछ साल तक एक जैसी रहती है। इसका फायदा यह है कि ब्याज दरें बढ़ने पर भी आपकी ईएमआई नहीं बदलती। इससे आपको हर महीने का खर्च आसानी से मैनेज करने में मदद मिलती है। हालांकि, इसका नुकसान यह है कि अगर ब्याज दरें घट जाएं तो इसका फायदा आपको नहीं मिलेगा। साथ ही, शुरुआती दरें भी अक्सर फ्लोटिंग से ज्यादा होती हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए बेहतर है, जिन्हें स्थिरता चाहिए और ईएमआई में उतार-चढ़ाव नहीं चाहते।

फ्लोटिंग इंटरेस्ट रेट लोन

- फ्लोटिंग रेट आरबीआई की नीतियों और मार्केट की परिस्थितियों के हिसाब से बदलता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि ब्याज दर घटने पर ईएमआई कम हो जाती है। इससे लंबे समय में यह फिक्स्ड से सस्ता साबित हो सकता है। होम लोन लेने वाले ज्यादातर लोग यही विकल्प चुनते हैं। मार्केट की स्थिति अर्थव्यवस्था में महंगाई और ब्याज दरों की दिशा होम लोन पर सीधा असर डालती है। जब महंगाई बढ़ती है तो बैंक ब्याज दरें ऊपर कर देते हैं ताकि जोखिम कम हो। वहीं स्थिर बाजार में ब्याज दरें अक्सर सस्ती हो जाती हैं। इसलिए टाइमिंग भी अहम फैक्टर है। लेकिन, फ्लोटिंग रेट की अपनी खामियां हैं। अगर ब्याज दर बढ़ जाएं तो **EMI** भी बढ़ जाती है। यह आपका पूरा बजट भी बिगाड़ सकती है। यह विकल्प उन लोगों के लिए ज्यादा सही रहता है, जो लंबे समय तक लोन लेने वाले हैं और ईएमआई में उतार-चढ़ाव सह सकते हैं।

हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट लोन

- हाइब्रिड लोन में शुरुआती कुछ सालों तक ईएमआई फिक्स्ड रहती है और उसके बाद यह फ्लोटिंग में बदल जाती है। इस तरह पहले कुछ सालों तक स्थिरता मिलती है और बाद में मार्केट के हिसाब से ब्याज दरें घटने पर फायदा हो सकता है। हालांकि शुरुआती दरें फ्लोटिंग से थोड़ी ज्यादा हो सकती हैं और अगर बाद में ब्याज दरें बढ़ जाएं तो ईएमआई भी बढ़ेगी। यह विकल्प उन लोगों के लिए सही है जो शुरुआत में ईएमआई स्थिर रखना चाहते हैं और आगे चलकर रिस्क लेने को तैयार हैं।

क्या है एक्सपर्ट की राय?

जानकारों का कहना है कि फिक्स्ड रेट वाले लोन तब बेहतर होते हैं जब ब्याज दरें बढ़ रही हों। ये उन लोगों के लिए ठीक हैं जिन्हें स्थिरता चाहिए या लगता है कि दरें आगे और बढ़ेंगी। वहीं, फ्लोटिंग रेट घटती ब्याज दर वाले माहौल में सही रहते हैं। हाइब्रिड होम लोन उन लोगों के लिए होते हैं जो शुरू में कुछ साल तक निश्चित ईएमआई चाहते हैं, लेकिन आगे चलकर बाजार के हिसाब से ब्याज दरों का फायदा उठाना चाहते हैं।लोन की अवधि का असर लोन का टेन्योर जितना लंबा होगा, कुल ब्याज का बोझ उतना ज्यादा होगा। छोटी अवधि का लोन लेने पर ईएमआई थोड़ी बड़ी होगी लेकिन ब्याज की बचत काफी होगी। इसलिए अपनी क्षमता के हिसाब से संतुलित अवधि चुनना बेहतर रहता है।

लोन लेने की लागत स्थिर

अभी की स्थिति देखें तो लोन लेने की लागत स्थिर हो रही है। आरबीआई की ओर से रेपो रेट में हालिया कटौतियों से ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ा है। इस समय फ्लोटिंग रेट होम लोन की ब्याज दर अपेक्षाकृत कम हैं। इसलिए यह उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प है जो कुल ब्याज खर्च घटाना चाहते हैं।'होमबायर्स को आखिरी फैसला लेने से पहले कुछ बातों पर जरूर विचार करना चाहिए। जैसे कि अभी अलग-अलग लोन ऑप्शन पर ब्याज दर में कितना फर्क है और लोन अवधि कितनी लंबी है। अगर लोन लंबे समय के लिए है तो फ्लोटिंग रेट से फायदा हो सकता है, क्योंकि आगे चलकर अगर दरें घटती हैं तो कुल ब्याज का बोझ कम होगा।

ऐसे कर सकते हैं प्लानिंग

- **1. वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन :** अपनी वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करें और देखें कि आप कितना होम लोन ले सकते हैं। अपनी आय, व्यय, और बचत को ध्यान में रखें।
- **2. होम लोन की आवश्यकता :** अपने होम लोन की आवश्यकता को निर्धारित करें। आपको कितनी राशि की आवश्यकता है? आप कितने समय में लोन चुकाना चाहते हैं?
- **3. ब्याज दरें और शर्तें :** विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों की ब्याज दरें और शर्तें तुलना करें। सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- **4. लोन की अवधि :** लोन की अवधि का चयन करें जो आपकी वित्तीय स्थिति के अनुसार उपयुक्त हो। लंबी अवधि के लोन में मासिक किस्त कम होती है, लेकिन कुल ब्याज अधिक होता है।
- **5. प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क :** प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्कों को ध्यान में रखें। ये शुल्क आपके लोन की कुल लागत को बढ़ा सकते हैं।
- **6. क्रेडिट स्कोर :** अपने क्रेडिट स्कोर को जांचें और सुनिश्चित करें कि यह अच्छा है। एक अच्छा क्रेडिट स्कोर आपको बेहतर ब्याज दरों और शर्तों के लिए योग्य बना सकता है।
- **7. विकल्पों की तुलना :** विभिन्न होम लोन विकल्पों की तुलना करें और सबसे अच्छा विकल्प चुनें जो आपकी आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- **8. वित्तीय सलाहकार से परामर्श :** यदि आवश्यक हो, तो वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें। वे आपको होम लोन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान कर सकते हैं और आपको सबसे अच्छा विकल्प चुनने में मदद कर सकते हैं।

पांच लाख की रकम को कैसे करें निवेश कि मिले बढ़िया मुनाफा

अक्सर ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की तलाश में रहते हैं निवेशक

प्लानिंग

बिजनेस डेस्क

अगर आपके पास 5 लाख रुपये हैं और आप इन्हें निवेश करना चाहते हैं तो यह रिपोर्ट आपके लिए बेहतर हो सकती है। देखने में आया है कि भारतीय निवेशक हमेशा सुरक्षित और ज़्यादा रिटर्न देने वाले निवेश विकल्पों की तलाश में रहते हैं। अगर आप भी अपनी एकमुश्त रकम को निवेश करना चाहते हैं और इसके लिए बेहतर ऑप्शन की तलाश में हैं एक बार जरूर देखें की आपके लिए पोस्ट ऑफिस की सकीम बेहतर रहेगी, बैंक की एफडी या फिर डेट फंड इनमें से कहा आपको ज्यादा मुनाफा मिल सकता है। निवेश का चुनाव हमेशा व्यक्ति की फाइनेंशियल कंडीशन, गोल्स और रिस्क सहने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में जब 5 लाख या 10 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश की बात आती है तो लोगों के लिए सही विकल्प चुनना और जरूरी हो जाता है क्योंकि इतनी बड़ी रकम को ऐसे ही कहीं भी निवेश नहीं किया जा सकता। ऐसे में बैंक की तरह पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही है। वहीं, हाल के वर्षों में डेट फंड भी एक लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभर रहा है। लोग इसे एफडी से बेहतर रिटर्न देने वाला ऑप्शन मानते हैं। आइए समझते हैं कि अगर 5 लाख रुपये का निवेश कहां ज्यादा मुनाफा दे सकता है।

एकमुश्त निवेश के लिए सही विकल्प चुनना बेहद जरूरी

पोस्ट ऑफिस एफडी भी वर्षों से सुरक्षित और विश्वसनीय निवेश ऑप्शन रही

अब हाल के वर्षों में डेट फंड भी लोकप्रिय ऑप्शन के तौर पर उभरा

पोस्ट ऑफिस फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की खासियत

- **सुरक्षा:** ये सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक है क्योंकि ये सरकार द्वारा समर्थित है.
- **निश्चित रिटर्न:** आपको निवेश की शुरुआत में ही ब्याज दर पता चल जाती है, जिससे रिटर्न का अनुमान लगाना आसान हो जाता है।
- **लॉक-इन अवधि:** तमाम टेन्योर के लिए उपलब्ध है, जैसे 1, 2, 3 और 5 साल।
- **रेगुलर ब्याज भुगतान:** आप मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक आधार पर ब्याज प्राप्त करना चुन सकते हैं।

5 लाख के निवेश पर कितना होगा मुनाफा

- मान लीजिए कि आप पोस्ट ऑफिस की 5 साल की एफडी में निवेश कर रहे हैं। इस एफडी पर मौजूदा समय में 7.5% ब्याज मिल रहा है। अगर आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए निवेश करते हैं तो आपको 5 साल में 2,24,974 ब्याज मिलेगा और कुल मिलाकर 7,24,974 रुपये मिलेंगे।

डेट फंड की खासियत

- डेट फंड म्यूचुअल फंड की ही एक कैटेगरी है। इसमें खासतौर पर फिक्स्ड-इनकम सिक्योरिटीज जैसे सरकारी बॉन्ड, कॉर्पोरेट बॉन्ड, डिबेंचर, कमर्शियल पेपर और ट्रेजरी बिल में निवेश किया जाता है। इसका रिटर्न मार्केट बेस्ड होता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** डेट फंड तमाम तरह के हैं जैसे- लिक्विड फंड, अल्ट्रा-शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, शॉर्ट ड्यूरेशन फंड, मीडियम ड्यूरेशन फंड और लॉन्ग ड्यूरेशन फंड, ऐसे में आपको डायवर्सिफिकेशन का मौका मिल जाता है।
- **लिक्विडिटी:** ये एफडी की तुलना में ज़्यादा लिक्विड होते हैं, क्योंकि आप अपनी यूनिट्स को किसी भी वर्किंग डे पर बेच सकते हैं (कुछ फंडों में एग्जिट लोड हो सकता है)।
- **प्रोफेशनल मैनेजमेंट :** फंड मैनेजर आपके पैसे का प्रबंधन करते हैं, जो बाज़ार की स्थितियों के आधार पर निवेश का फैसला लेते हैं।

5 लाख के निवेश पर रिटर्न

- डेट फंड का रिटर्न प्रदर्शन पर आधारित होता है और फ्यूचर में बदल सकता है। औसतन, कई डेट फंडों ने पिछले कुछ साल में 6-9% का रिटर्न दिया है। मान लीजिए आप 5 लाख रुपये 5 साल के लिए इसमें निवेश करते हैं और उस पर 9% का रिटर्न मिल रहा है तो 2,69,311 रुपये ब्याज के तौर पर मिलेंगे। इस तरह आपको कुल 5,00,000+2,69,312 = 7,69,312 रुपये मिलेंगे। हालांकि ये उदाहरण केवल अनुमानित है, वास्तविक रिटर्न फंड के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

कौन सा विकल्प चुनें?

ये चुनाव आपकी व्यक्तिगत ज़रूरतों पर निर्भर करता है-जैसे जोखिम उठाने की क्षमता, अगर आप बिलकुल भी जोखिम नहीं लेना चाहते और अपनी पूंजी की 100% सुरक्षा चाहते हैं, तो पोस्ट ऑफिस एफडी आपके लिए बेहतर है। अगर आप थोड़ा जोखिम ले सकते हैं और एफडी से ज़्यादा रिटर्न चाहते हैं, तो डेट फंड एक अच्छा विकल्प है।

निवेश की अवधि

छोटी अवधि (3 साल से कम) के लिए, पोस्ट ऑफिस एफडी या शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड को देखा जा सकता है. लंबी अवधि (3 साल से ज़्यादा) के लिए, इंडेक्सेशन लाभ के कारण डेट फंड टैक्स के लिहाज से ज़्यादा कुशल और बेहतर रिटर्न दे सकता है।

खबर संक्षेप

निर्माण मजदूरों का राज्य स्तरीय प्रदर्शन 17 को

महम। रोहतक के मानसरोवर पार्क में 17 सितंबर को भवन निर्माण मजदूर राज्य स्तरीय प्रदर्शन करेंगे। महम क्षेत्र से भी काफी संख्या में मिस्त्री और मजदूर इस प्रदर्शन में भाग लेंगे। शनिवार को किशनगढ़ गांव में भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा (सीटू) महम ब्लॉक के पदाधिकारियों की एक बैठक हुई। इस मीटिंग की अध्यक्षता राम भगत बहलंबा ने की।। मीटिंग का संचालन ब्लॉक सचिव सुभाष निंदाना ने किया।

छात्राओं को पोषण बारे जागरूकता किया

रोहतक। मदवि के अभिलाषा गर्ल्स हॉस्टल काम्प्लेक्स के नर्मदा गर्ल्स हॉस्टल में पोषण जागरूकता पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें छात्राओं को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और सजग खानपान की आदतों के प्रति जागरूक किया गया। प्रतिष्ठित पोषण विशेषज्ञ डॉ. निकिता गर्ग ने छात्राओं को पोषण से संबंधित अत्यंत उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि संतुलित आहार हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को किस प्रकार प्रभावित करता है तथा यह भी समझाया कि हमारे ऊतक और अंग वसा को कैसे संग्रहित करते हैं।

हिंदी दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित

रोहतक। वैश्य महाविद्यालय में शनिवार हिंदी दिवस बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. संजय गुप्ता ने छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल भाषा ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और पहचान की आधारशिला है। उन्होंने सभी से हिंदी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने और इसे गर्व के साथ अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत निबंध लेखन, कविता पाठ, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने हिंदी की महत्ता और उसके वैश्विक स्वरूप पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

मासूमों को घर जैसा माहौल देने का प्रयास: डॉ. अग्रवाल

पीजीआई में बीमार बच्चे अब झूलों का ले सकेंगे आनंद

चिकित्सा अधीक्षक डॉ कुंदन मित्तल को दिया इस पार्क को स्थापित करवाने का श्रेय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बच्चे बहुत ज्यादा मासूम होते हैं और कई बार बीमारी के चलते कई दिनों तक उन्हें अस्पताल में रहना पड़ता है। ऐसे में बच्चे को बाहर का वातावरण काफी याद आता है और वह चिड़चिड़ा हो जाता है। इसके चलते पहले ही बच्चे की बीमारी से तनाव में आए मां-बाप को काफी परेशानी उठानी पड़ती थी। ऐसे में बच्चों को घर जैसा माहौल अस्पताल में देने का प्रयास किया जा रहा है ताकि बच्चे आसानी से अपना इलाज करवा सकें। यह कहना है पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल का। वें शनिवार को वार्ड 14 के पाए बनाए गए चिल्ड्रन पार्क का शुभारंभ करने पहुंचे थे। डॉ अग्रवाल ने इस चिल्ड्रन पार्क को तैयार करवाने का श्रेय डॉक्टर कुंदन मित्तल को देते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों के लिए यह एक बहुत अच्छा कार्य करवा कर एक उदाहरण पेश किया है।

इस अवसर पर उपस्थित आमजन को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशन में उनका प्रयास है कि संस्थान में आने वाले मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि मासूमों को अच्छा वातावरण मिले ताकि वें खुशी से इलाज करवाकर जल्दी ठीक होकर घर जाएं।

रोहतक। बच्चों को झूला झूलाते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल , निदेशक डॉ. सिंघल व इनर व्हील क्लब रोहतक के पदाधिकारी।

बीमार बच्चों के लिए चिल्ड्रन पार्क का शुभारंभ

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुंदन मित्तल ने कुलपति डॉ. अग्रवाल द्वारा चिल्ड्रन पार्क का शुभारंभ एक सराहनीय कदम है जो बीमार बच्चों के जीवन में खुशी और मनोरंजन लाने के लिए उठाया गया है। यह पहल बच्चों के स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ. कुंदन मित्तल ने कहा कि इस पार्क के निर्माण और देखरेख में सहयोग देने के लिए वें इनर व्हील कल्ब रोहतक ब्लूमिंगडेल की टीम का धन्यवाद व्यक्त करते हैं। डॉ. कुंदन ने कहा कि खेलने से बच्चों का तनाव कम होगा और उनका मूड बेहतर होगा और यहां प्रदेश भर से आने वाले मां-बाप को भी डॉ. अग्रवाल ने एक बहुत बडी राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि इन झूलों के लगने से बच्चों के साथ उनके परिजनों में भी खुशी का माहौल दिखाई दिया। इनर व्हील क्लब रोहतक की अध्यक्ष सिल्की बंसल ने कहा कि उन्होंने यहां 5 झूले लगवाएं हैं और जल्दी वे यहां और भी झूले लगवाएंगे। वह एक हरा भरा पार्क तैयार करेंगे। इस अवसर पर सदस्य पूजा, शिल्पी, सूचि कई सदस्य भी उपस्थित रहे।

बच्चों के लिए लगाए झूले

कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने कहा कि इस पार्क में झूले लगाए गए हैं ताकि बीमार बच्चे थोड़ी देर झूलकर अपना मनोरंजन कर सकें और उनके चेहरे पर मुस्कान आ सके। वहीं इस झूलों के माध्यम से उनके शरीर की कसरत भी हो सकेगी।

बीमार बच्चों के लिए सुविधाएं जरूरी

निदेशक डॉ.एस.के. सिंघल ने कहा कि उन्होंने कहा कि बीमार बच्चों के लिए इस तरह की सुविधाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं और इससे उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार होगा।

भाजपा का सेवा पखवाड़ा 17 से दो अक्टूबर तक

- भाजपा राजनीति के साथ-साथ समाज सेवा में भी रहती है अग्रणी भूमिका : रणवीर ढाका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा के अंतर्गत आने वाले चारों मंडलों के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक में सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर शनिवार को प्रदेश कार्यालय मंगलकमल में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री के 75वें जन्म दिवस पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा के तहत होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका ने की।

प्रधानमंत्री का जन्मदिन धूमधाम से मनाएंगे

जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल राजनीति करना ही नहीं, बल्कि समाज के हर एक वर्ग की सेवा कर चिंता करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिवस 17 सितंबर को पूरे देश में सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें हमारे संगठन के कार्यकर्ता स्वच्छता अभियान, एक वृक्ष मां के नाम, हर मंडल पर 75 यूनिट ब्लड डोनेट करना, बलिदानी, महापुरुष व सार्वजनिक स्थलों की सफाई करना आदि दर्जनों कार्य होंगे जो लगातार 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर चलेंगे। बैठक में जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल, नरेंद्र खट्टर, चिड़ी मंडल के अध्यक्ष नवीन शर्मा, सापला मंडल के अध्यक्ष कपिल खत्री,आसन मंडल के अध्यक्ष कुलदीप रुड़की, मकड़ौली मंडल के महामंत्री सोनू घिलौड़, भाजपा नेता देवराज सांपला, महा सिंह दलाल, निगम पार्षद रमेश बोहर, जिला सह मीडिया प्रभारी पं लोकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

हिंदी दिवस पर हुई प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

रोहतक। माता दरवाजा गऊ रोड स्थित एमएस सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में इंटर-हाउस (अंतर सदनीय) हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के सभी छात्रों को चार सदनों-अवध, अग्नि, अंबर और अक्षि में विभाजित किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक सदन से तीन प्रतिभागियों ने अपनी सूझबूझ और ज्ञान का परिचय देते हुए आठ चरणों में आयोजित प्रश्नोत्तरी में हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के निदेशक हिमांक मित्तल और प्रधानाचार्या रितु द्वारा किया गया। हिंदी विभाग के अध्यापक की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में छात्रों ने हिंदी भाषा, साहित्य और संस्कृति से जुड़े प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

मॉडल स्कूल में मनाया हिंदी सप्ताह

रोहतक। अंबेडकर चौक स्थित मॉडल स्कूल में हिंदी दिवस के उपलक्ष में हिंदी सप्ताह हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान विभिन्न कक्षाओं के लिए अनेकों गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने वर्ण-लेखन, शब्दों की रेलगाड़ी तथा समाचार वाचन द्वारा अपनी रचनात्मकता व्यक्त की। वहीं अन्य कक्षाओं ने काव्य-पाठ, कहानी-कहना, स्लोगन लेखन आदि गतिविधियों के द्वारा हिंदी के महत्व को दर्शाया। प्रधानाचार्या डॉ. अरुणा तनेजा ने बताया कि 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया तब से हर वर्ष 14 सितम्बर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उपप्रधानाचार्या आशिता भांबरी ने कहा कि हिन्दी जनमानस की भाषा है। हिन्दी विभागाध्यक्ष अंजली राय ने बताया कि हिन्दी हर दिल अजीज भाषा है। इस अवसर पर पूनम मलिक, नीलम छिक्कारा, रविकांता , अमृत कौर, सोनिया सहरावत, अनुराधा हुड्डा, अनामिका सैनी, श्वेता भाटिया हरप्रीत, निधि भाटिया, कविता पाहवा आदि रहे।

रामलीला महोत्सव 22 सितम्बर से शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते महामण्डलेश्वर बाबा कपिल पूरी, बाबा कर्णपुरी, मुख्य संरक्षक राजेश जैन व प्रधान सुभाष तायल।

विजय दशमी के अवसर पर श्री रामलीला उत्सव कमेटी द्वारा पुराना आईटीआई ग्राउण्ड सरकुलर रोड में 22 सितम्बर से रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी दिल्ली बाईपास पर स्थित बीपीजैन स्कील डेवलपमैंट सैंटर में रामलीला उत्सव कमेटी के मुख्य संरक्षक उद्योपगति राजेश जैन ने पत्रकारों से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि रामलीला महोत्सव एवं दशहरा मेले का आयोजन बड़े धूमधाम से किया जायेगा।

रामलीला का करवाया बीमा

रामलीला का दो करोड़ रुपये का बीमा करवाया गया है। भारत के इतिहास में पहली बार है, जिसमें अक्षरधाम मंदिर, दुबई की आकृति वाली स्टेज 150 फुट चोड़ी डबल स्टोरी स्टेज व भव्य पंडाल बनाया गया। रामलीला में तीन स्टेज 60 गुणा 100 के बनाये जायेंगे। जिसे अक्षरधाम मंदिर की तर्ज पर दो मंजिला भवन बनाया जायेगा। इसमें 10 हजार कुर्सियां लगाकर दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

92 सुरक्षा गार्ड रहेंगे तैनात: सुरक्षा को लेकर सीसीटीवी कैमरे लगाये जायेंगे। सुरक्षा को देखते हुए 92 गार्डों को तैनात किया जायेगा और पुलिसबल भारी संख्या में तैनात रहेगा। मुम्बई के आकर्षक लाईट वाले झूले बच्चों के लिये लगाये जायेंगे। रामलीला देखने वालों के लिये जगह जगह पर बड़ी बड़ी कई एलईडी लगाई जायेगी। इस अवसर पर रामलीला उत्सव के कार्यक्रम की पात्रिका का भी विमोचन किया गया।

बीएमयू से बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने किया एमएसएमई टेक्नोलॉजी का शैक्षणिक दौरा

- आधुनिक मशीनों, स्वचालित उपकरणों और सॉफ्टवेयर आधारित सिस्टम्स का प्रत्यक्ष अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के बी.टेक. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने शनिवार को एमएसएमई टेक्नोलॉजी का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा की पढ़ाई से आगे बढ़कर उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से जोड़ना था। भ्रमण के दौरान कंपनी के अधिकारियों व विशेषज्ञों ने छात्रों का स्वागत किया और उन्हें नवीनतम तकनीकों, प्रोडक्शन यूनिट्स की कार्यशैली तथा उद्योग में अपनाए जाने वाले गुणवत्ता मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों को आधुनिक मशीनों, स्वचालित उपकरणों और सॉफ्टवेयर आधारित सिस्टम्स को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) एचएल वर्मा ने विद्यार्थियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण न केवल विद्यार्थियों के लिए व्यावहारिक ज्ञान का माध्यम होते हैं बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को उद्योग जगत से जोड़ना हमारे विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है।

औद्योगिक दौरे में तकनीकी और कौशल विकास

फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी के डीन प्रो. (डॉ.) मुकेश सिंगला ने कहा कि विश्वविद्यालय आगे भी विद्यार्थियों को विभिन्न औद्योगिक संस्थानों का दौरा कराता रहेगा, ताकि वे बदलते तकनीकी परिदृश्य से अवगत हो सकें। कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को बताया कि आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में तकनीकी दक्षता, नवाचार और निरंतर कौशल विकास ही किसी भी उद्योग की सफलता की कुंजी है।

पठानिया स्कूल में मंत्र, दोहा व श्लोक प्रतियोगिताएं हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा नर्सरी और केजी के विद्यार्थियों के लिए मंत्र, दोहा एवं श्लोक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 160 नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने कबीर, रहीम, तुलसीदास, सूरदास के दोहों और श्रीमद्भगवद्गीता के मंत्रों का उच्चारण व्याख्या सहित प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कर्पूर गौरं करुणावतारं, गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, यदा-यदा हि धर्मस्य, माटी कहे कुम्हार से और बुरा जो देखन मैं चला जैसे दोहे, मंत्र और श्लोक सुनाकर बच्चों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया। प्रतियोगिता का संचालन नीरज खट्टर, वीना सहगल, सुचिता आहूजा, एकता ढल, हरलीन गाबा और रीतू वधवा ने किया। निर्णायक मंडल की भूमिका प्रभा शर्मा और अनु सहरावत ने निभाई। इस प्रतियोगिता में छवि, दिव्यांश, नित्या, कर्ण, मैथिली, अमायरा, सनाया, माही, योनित, अबीर, यूवी और वरदान का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा।

एचडी पब्लिक स्कूल बालंद में अभिभावक-शिक्षक बैठक सम्पन्न

रोहतक। एचडी पब्लिक स्कूल में आगामी अर्धवार्षिक परीक्षा को ध्यान में रखते हुए शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य ने की, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, परीक्षा की तैयारियों और दिशा-निर्देशों पर चर्चा हुई। प्रेसीडेंट, सत्यदेव सिगरोहा ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन ने परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और परीक्षाएं निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराई जाएंगी। अभिभावकों से अपेक्षा की गई कि वे बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करें और घर पर अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराएं।

कार्यकर्ताओं ने फिर थामा इनेलो का दामन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

नए जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे मजबूती के साथ इनेलो के लिए काम करेंगे

इनेलो के कई पुराने कार्यकर्ताओं ने फिर से इनेलो का दामन थाम लिया है। पिछले कुछ समय से वे जेजेपी से जुड़े रहे। लेकिन उन्हें जेजेपी रास नहीं आई और अपनी पुरानी पार्टी को फिर से ज्वाइन कर लिया है। शनिवार को अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में जेजेपी के पूर्व हलका अध्यक्ष सुरेंद्र बल्हारा, पूर्व युवा हलका अध्यक्ष और वर्तमान में महम पंचायत समिति सदस्य अजय मलिक मोखरा, हवा सिंह नंबरदार, कैप्टन सुमेर सिंह पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष जेजेपी, ईश्वर गद्दीखेड़ी पूर्व उपप्रधान जेजेपी, फूल मदीना, पूर्व सरपंच राजेंद्र सिंहपुरा, धर्मवीर पांचाल, साहिल, विकास आदि ने इनेलो ज्वाइन की। नए जुड़े कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे मजबूती के साथ इनैलो के लिए काम करेंगे। वहीं इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला ने कहा कि इन सभी साथियों को पार्टी में पहले से भी ज्यादा मान सम्मान दिया जाएगा।

महम। जेजेपी कार्यकर्ताओं को इनेलो में शामिल करते इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नफे सिंह लाहली, हलका अध्यक्ष वेद प्रकाश भराण, युवा हलका अध्यक्ष संदीप नहरा, जितेंद्र दांगी, एडवोकेट विपिन बल्हारा, सतबीर सहरावत, इंद्र सिंह ढुल, बलवान सुहाग, पवन सिवाच, सतीश नांदल, पुनीत मायना व कृष्ण कौशिक सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

उपमंडल विधिक सेवा समिति ने सैमाण में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

महम। सैमाण गांव में कैंप लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते उपमंडल विधिक सेवा समिति के सदस्य वकील।

महम। जलभराव से प्रभावित गांव सैमाण में उपमंडल विधिक सेवा समिति द्वारा एक कैंप लगाया गया। कैंप के दौरान एडवोकेट जितेंद्र सैनी ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान उन्होंने यह जानने का प्रयास किया कि इस गांव में लोगों को जलभराव की वजह से क्या क्या समस्याएं पैदा हो रही हैं। जितेंद्र सैनी ने बताया कि गांव में अनेक परिवार ऐसे हैं, जिनके सामने पशुओं व अन्य मवेशियों के चारे की समस्या पैदा हो गई है। कई परिवार ऐसे हैं, जिनको अनाज की जरूरत है। बहुत से लोग ऐसे मिले जिनके मकानों में दरारें आ गई हैं। जबकि कुछ ऐसे भी पीड़ित परिवार थे, जिनके मकान बारिश की वजह से गिर गए हैं। गांव के सरकारी स्कूलों में पानी भरा हुआ है। खेतों में फसलें बर्बाद हो चुकी हैं। पीने के पानी की भी दिक्कत है। जलभराव की वजह से इस गांव में बसने वाले सभी लोगों की जिंदगी प्रभावित हुई है। एडवोकेट सैनी ने बताया कि उपमंडल विधिक सेवा समिति के चेयरमैन एवं महम कोर्ट के जज अमित श्योराण को इस बारे में रिपोर्ट सौंप दी गई है।

निदेशक ने खामियों के सुधार को दिया दो दिन का समय

पीजीआईएमएस के नए क्वार्टर में खामियों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीजीआईएमएस) के निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने शनिवार को तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बनाए गए नवनिर्मित क्वार्टर्स का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल के आदेश पर बनाई गई कमेटी के साथ किया गया। निरीक्षण के दौरान क्वार्टर में कई खामियां सामने आईं, जिन्हें दो सप्ताह के भीतर दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। गौरतलब है कि हाल ही में कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बनाए गए इन नए क्वार्टर्स का निरीक्षण किया था, जहां कमियों की पहचान होने के बाद निदेशक डॉ. सिंघल की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई थी। इस कमेटी में पीडब्ल्यूडी विभाग के अधीक्षक अभियंता और संपदा अधिकारी को भी शामिल किया गया। निदेशक डॉ एस के सिंघल ने बताया कि आज उन्होंने पूरी कमेटी के साथ नए क्वार्टर्स का ग्राउंड फ्लोर से लेकर छठी मंजिल व छतों की भी गहनता के साथ जांच की।

रोहतक। नए क्वार्टर्स का निरीक्षण करते निदेशक डॉ एस के सिंघल व चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल।

खामिया ठीक नहीं की तो होगी कार्रवाई

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दो सप्ताह के भीतर बताई गई खामियों को नहीं सुधारा गया तो संबंधित पर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर कुंदन मित्तल, एक्साईन विजय दलाल ,संपदा अधिकारी दुष्यंत शर्मा, जेई आशीष कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

लिफ्ट चालू नहीं हुई

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अभी तक क्वार्टर में लिफ्ट चालू नहीं हुई है। वहीं कई स्थानों पर फर्श की मरम्मत की आवश्यकता पाई गई है, ताकि बारिश का पानी जमा होकर इमारत को नुकसान न पहुंचा सके। निदेशक डॉ एस के सिंघल ने फर्श की घिसाई करने व टाइल्स को साफ करने, सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने और पीने के पानी की समस्या को तत्काल सुलझाने के निर्देश दिए। इसके अलावा फ्लैट्स में बिजली और पाइपलाइन संबंधी खराबियों को भी अधिकारियों को प्राथमिकता से ठीक करने के आदेश दिए। डॉक्टर सिंघल ने गैलरी में बनी दीवार की ऊंचाई बढ़ाने को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। डॉ. सिंघल ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों को वर्षों से क्वार्टर के तैयार होने का इंतजार है, इसलिए अब सभी कमियों को युद्धस्तर पर दूर किया जाए क्योंकि कोई भी कर्मचारी नहीं चाहेगा कि उसे नए क्वार्टर मिलने के बाद उसमें काफी कमियां हो और वह प्रतिदिन इन कमियों को दूर करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटे, ऐसे में उनकी ड्यूटी समय भी प्रभावित होगा जिसका सीधा नुकसान मरीज को भी पहुंचता है।

क्वार्टर की करवाई जाएगी बाउंड्री: उन्होंने कहा कि क्वार्टर के चारों तरफ की बाउंड्री करवाई जाए ताकि कोई अनजान व्यक्ति सीधे क्वार्टर तक ना पहुंच सके। इसके साथ ही डॉ सिंघल ने कहा कि छत पर रखी अधिकतर टंकियां के ढक्कन हटे हुए हैं जिसे अस्थाई तौर पर बंद करने के तरीके अपनाए जाएं ताकि पानी गंदा ना हो और कोई पक्षी टंकी के अंदर ना जा सके।

RADHA SWAMI NURSING COLLEGE
(Recognised/Affiliated by Haryana Govt/HN&NMC/INC)
Approved by NIILM University
VPO Kharkara, Distt. Rohtak M. 9812072127
Admission & Guidance (Session 2025-26)
हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स करने के लिए संपर्क करें

Course	Duration	Eligibility
GNM (Nursing Officer)	3 Years	12th Any Stream

UNIVERSITY COURSE
X-Ray Technician | Physiotherapy | Fire Safety & Technician
Radiology & Imaging Technology | Medical Laboratory Technician
And many others Diploma/B.SC/M.SC
Degree Course offered by University.
Rohtak Off.: Radha Swami Medical Institute
Shastri Nagar Hisar Road Bye Pass, Rohtak M. 9812072127

खबर संक्षेप

शिविर में दंत स्वास्थ्य का महत्व समझाया

रोहतक। सेक्टर 3 स्थित पोलीक्लीनिक में 15 सितंबर तक मौखिक स्वच्छता अभियान चलाया गया जा रहा है। अभियान में दंत चिकित्सक डा. पूर्णिमा अरोड़ा ने विभिन्न स्थलों पर दंत शिविर लगा लोगों को दंत स्वास्थ्य का महत्व समझाया व दंत जांच की। मौके पर सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. कुसुम, डॉ. निशा, डॉ. शेखावत, जय कुमार, विकास, राहुल, बबिता, सुनिता, सोनू, पूजा, नीरज व बिजेंद्र, राजकुमार व अमरजीत का विशेष सहयोग रहा।

हिंदी दिवसः कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

रोहतक। राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में हिंदी दिवस पर कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्य डॉ शमशेर सिंह हुड्डा के दिशा निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी व राजकीय महाविद्यालय सांपला के प्राचार्य डॉ. परमभूषण आर्य रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार व संयोजिका डॉ.नरेश कुमारी रही। मंच संचालन डॉ. विशाल कुमार ने किया। प्रतियोगिता में पूर्वी प्रथम, कनिष्का द्वितीय व विनय और कोमल पांडे संयुक्त रूप से प्राप्त किया।

वैश्य कॉलेज में हिंदी दिवस का आयोजन

रोहतक। वैश्य कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शनिवार को हिंदी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन मैनेजमेंट के मार्गदर्शन में एवं प्राचार्या डॉ. तरुणा मल्होत्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके पश्चात बीएड द्वितीय वर्ष तथा एमएड के विद्यार्थियों ने कविता एवं भाषण प्रस्तुत कर हिंदी भाषा के प्रति अपना प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। मौके पर भाषा क्लब की सदस्याएं डॉ. ज्योति आहुजा, प्रीति, डॉ. अंजू सचदेवा, डॉ. अंजू शर्मा आदि मौजूद रहे।

किसानों की असली हितैषी भाजपा : बड़ौली

रोहतक। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मोदी और नायब सरकार दिन रात किसान हित में कार्य कर रही है। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बड़ौली ने यह उद्बोधन शनिवार को रोहतक स्थित भाजपा कार्यालय मंगल कमल में किसान मोर्चा की प्रदेश समिति की बैठक को संबोधित करते हुए कहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस पर तंज भी कसा। कांग्रेस के समय में तो बारिश के समय शहर के शहर डूब जाते थे। भाजपा किसान मोर्चा की प्रदेश समिति की इस बैठक की अध्यक्षता किसान मोर्चा की कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष राजबाला चहल ने की। कार्यसमिति की बैठक में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, राष्ट्रीय किसान मोर्चा महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे, किसान मोर्चा के प्रदेश प्रभारी सैला राम सहारण उपस्थित रहे।कार्यसमिति का संचालन किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सुनील शर्मा ने किया।

किसानों पूरा मुआवजा देगी सरकार, सेवा पखवाड़ा को लेकर योजना रचना तैयार

बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री सैनी ने बाढ़ ग्रस्त हिमाचल, पंजाब और जम्मू कश्मीर को 5-5 करोड़ की सहायता राशि दी है। हरियाणा में भी जिनका नुकसान बाढ़ के कारण हुआ है सरकार पूरा मुआवजा देगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़ा को लेकर योजना रचना तैयार की गई। बैठक में सरकार के किसानों से जुड़े कार्यों को जनता तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई। नायब सरकार देश की पहली ऐसी सरकार है जो 24 फसलों को एमएसपी पर खरीद रही है।

⏭किसान मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पहले की सरकारें सिर्फ नारे लगाती रहीं, गरीबों और किसानों के लिए कोई काम नहीं किया।
⏭वहीं राष्ट्रीय किसान मोर्चा के महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद अनिल बोंडे ने कहा कि किसान हित की योजनाओं को सभी किसानों तक पहुंचाने का दायित्व किसान मोर्चा के हर कार्यकर्ता का है।

उपायुक्त ने किया कलानौर क्षेत्र का निरीक्षण

पूरी क्षमता के साथ किया जाए जल निकासी का कार्य : डीसी

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने जल निकासी की क्षमता को आने वाले दिनों में और अधिक बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त कलानौर क्षेत्र में बरसाती जल निकासी के कार्यों का निरीक्षण कर रहे थे। लाखनमाजरा लिंक ड्रेन व महम ड्रेन का निरीक्षण किया और दिशा निर्देश जारी किया।उपायुक्त सचिन गुप्ता सर्वप्रथम रोहतक-भिवानी रोड पर लाखनमाजरा लिंक ड्रेन रोड 6100 पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर ड्रेन के जल बहाव को देखा। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ड्रेन बिल्कुल ठीक बहाव से चल रही है। आने वाले दिनों में क्षमता और भी बढ़ जाएगी।

आंवल गांव का भी दौरा किया

डीसी ने गांव आंवल में कृषि भूमि से की जा रही जल निकासी के कार्य का भी निरीक्षण किया। गांव गढ़ी के समीप महम ड्रेन पर लगाए गए पंप हाउस और गांव छारा के समीप केसीबी ड्रेन का निरीक्षण भी किया। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि रोजाना के आधार पर पानी निकासी की क्षमता को बढ़ाया जाए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महम तथा ड्रेन नंबर 8 पर जल निकासी के लिए लगभग 20 पंप सेट लगातार जल निकासी निरंतर की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान रोहतक एसडीएम आशीष कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता अरुण मुंजाल, राजीव राठी मौजूद थे।

निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बनाई योजना, गाड़ियों में जीपीएस लगाए जाएंगे

लापरवाही बर्दाश्त नहीं, अब हर घर से उठाना ही होगा कूड़ा, वरना कार्रवाई

विजय अहलावत ⏭रोहतक

नगर निगम लगाएगा स्कैनर, चालकों की मनमानी पर लगेगी रोक, नए टेंडर के साथ शुरू की जाएगी प्रक्रिया, किसी ने जानबूझकर कचरा उठाने में लापरवाही की, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और दुरुस्त करने के लिए नगर निगम अब नई तकनीक का सहारा लेने जा रहा है। अब कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों के चालक अपनी मनमर्जी नहीं कर पाएंगे। हर घर से कूड़ा उठाना अनिवार्य होगा और इसकी निगरानी के लिए नगर निगम ने घर-घर पर स्कैनर लगाने की योजना तैयार की है। इसके तहत हर घर के सामने से गुजरने वाली कूड़ा उठाने वाली गाड़ी को स्कैनर स्कैन करना होगा। ताकि कोई घर छूट न जाए। इन गाड़ियों की पूरी तरह से निगरानी की जाएगी।

चालकों की मनमानी से बिगड़ रही थी व्यवस्था

अब तक कई शिकायतें सामने आती रही हैं कि नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियां कई बार गलियों में जाते हुए भी कुछ घरों से कचरा नहीं उठातीं। कभी चालक जल्दबाजी में आगे निकल जाते हैं, तो कभी जानबूझकर कुछ मोहल्लों या घरों को छोड़ दिया जाता है। इसकी वजह से शहर में गंदगी फैलती है और लोग असुविधा का सामना करते हैं। कई नागरिकों ने इस बारे में नगर निगम को शिकायतें भी दी थीं।

हर घर पर लगेंगे क्यूआर कोड स्कैनर

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, शहर के हर घर पर एक क्यूआर कोड स्कैनर लगाया जाएगा। जब भी कूड़ा उठाने वाली गाड़ी घर के सामने पहुंचेगी, तो चालक या सफाई कर्मचारी को उस कोड को स्कैन करना होगा। इससे यह प्रमाणित होगा कि गाड़ी वास्तव में उस घर तक पहुंची और वहां से कचरा उठाया गया। अगर किसी घर का क्यूआर कोड स्कैन नहीं हुआ, तो तुरंत पता चल जाएगा कि वहां से कूड़ा नहीं उठाया गया। इस योजना के साथ-साथ नगर निगम सभी कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों में जीपीएस सिस्टम लगाने पर भी काम कर रहा है। इससे गाड़ी का वास्तविक रूट पता लगाया जा सकेगा। अब तक कई बार यह देखा गया है कि गाड़ियां तय मार्ग पर पूरी तरह नहीं जातीं और बीच में ही वापस लौट आती हैं। जीपीएस और स्कैनर के संयोजन से यह व्यवस्था और सख्त हो जाएगी।

अधिकारियों की निगरानी रहेगी

नगर निगम आयुक्त ने बताया कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद कोई भी चालक या कर्मचारी मनमानी नहीं कर पाएगा। किसी ने जानबूझकर क्षेत्र से कचरा उठाने में लापरवाही की, तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होगी। यह कदम प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत मिशन को आगे बढ़ाने और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

नागरिकों की भूमिका भी अहम

नगर निगम ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे कचरा समय पर गाड़ी को सौंपें और गाड़ी के आने के समय अपने घर से कूड़ा बाहर निकालकर दें। कई बार यह भी देखने में आता है कि गाड़ी के आने पर लोग घर से कचरा बाहर नहीं देते और बाद में गलियों में ही फेंक देते हैं। यह आदत बदलनी होगी तभी यह व्यवस्था पूरी तरह सफल हो पाएगी।

ऑनलाइन होगी मॉनिटरिंग

स्कैनिंग सिस्टम पूरी तरह ऑनलाइन मॉनिटरिंग से जुड़ा होगा। कंट्रोल रूम में यह डाटा रिकॉर्ड किया जाएगा कि किस गाड़ी ने कितने घरों से कूड़ा उठाया और किस क्षेत्र में गाड़ी पहुंची। अगर कहीं से कचरा नहीं उठाया गया, तो जिम्मेदारी सीधे चालक और संबंधित स्टाफ पर तय की जाएगी। इस प्रणाली से गाड़ियों की लोकेशन और रूट ट्रैकिंग भी संभव होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी।

-डॉ आनंद कुमार शर्मा, आयुक्त नगर निगम

शहरवासियों को मिलेगी राहत

नगर निगम का मानना है कि इस कदम से आम लोगों को काफी राहत मिलेगी। हर घर से नियमित रूप से कचरा उठेगा तो गंदगी की समस्या कम होगी। इसके अलावा, लोगों को बार-बार शिकायत दर्ज कराने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। स्कैनिंग सिस्टम अपने आप बताएगा कि कहां गाड़ी गई और कहां नहीं।

जल्द होगी शुरुआत

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक, अगले कुछ हफ्तों में शहर के कुछ वार्डों में यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की जाएगी। इसके बाद पूरे शहर में इसे लागू किया जाएगा। इस तकनीक से शहर की सफाई व्यवस्था में एक नई क्रांति आएगी।

भाजपा जिला प्रभारी डॉ रंगा ने कटेसरा गांव में किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

कलानौर विधानसभा क्षेत्र के गांव कटेसरा में भाजपा जिला प्रभारी (सभी प्रकोष्ठ) डॉ. अशोक कुमार रंगा ने ग्रामीणों से जल निकासी कार्य को लेकर चर्चा की। इस मौके पर गांव के सरपंच प्रतिनिधि बल्ला व बीडीसी मेम्बर सुदामा कोच सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

डॉ. रंगा ने गांव का दौरा कर क्षतिग्रस्त घरों में जाकर बारिश के कारण हुए नुक्सान का जायजा लिया। उन्होंने खंडित मकानों में पानी भरने और खेतों में जलभराव की समस्या को गंभीरता से देखा। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि बारिश के दिनों में जल निकासी के लिए पास में कोई नहर व नाला न होने के कारण जल निकासी की समस्या अधिक रही है। रंगा ने ग्रामीणों से कहा कि सरकार ने क्षतिपूर्ति पोर्टल खोल दिया है जिसमें किसान फसल के नुकसान का ब्योरा दे सकते हैं वहीं क्षतिग्रस्त मकानों के चित्र व अपने राशन कार्ड के साथ प्रशासन को भेज सकते हैं।

यह रहे मौजूद

इस दौरान डॉ. अशोक रंगा ने तुरंत संबंधित विभागीय अधिकारियों को जानकारी देते हुए और समस्या का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया। इस दौरान गोलू फौजी, सोमबीर, गौरव, देव , मैशा सहित गांव काहनौर सरपंच प्रतिनिधि, तैमूरपुर सरपंच प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीजे डांडिया नाइट का आयोजन होगा

रोहतक। इस वर्ष नवरात्रि के शुभ अवसर अनामिका बल्हारा द्वारा एक शानदार डीजे डांडिया नाइट का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जीडी गोयनका टॉडलर हाउस सनसिटी सेक्टर-36 कैंपस ग्राउंड में आयाजित होगा। यह कार्यक्रम सभी उम्र के लोगों के लिए पारंपरिक नृत्य, संगीत और उल्लास का अनुभव करने का एक अद्भुत अवसर प्रदान करेगा। बिना रुके संगीत के साथ लाइव डीजे के साथ अनलिमिटेड स्वादिष्ट खाना, लकी ड्रॉ उपहार, बेस्ट डांडिया कपल, बेस्ट चनिया चोली कपल और मुफ्त डांडिया स्टिक तो आइए सब मिल कर इस नवरात्रि को एक यादगार नवरात्रि बनाएं।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई क्षमता संवर्धक कार्यक्रम आयोजित

रोहतक। द आर्यन ग्लोबल स्कूल में सीबीएसई क्षमता संवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका विषय अभिभावकों को शिक्षा के बारे में शिक्षित करना था । कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन एस केजिया कल्पलथा तथा प्रभजोत कौर रहे। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने एस केजिया कल्पलथा तथा प्रभजोत कौर को पुष्पगुच्छ देकर दोनों का स्वागत किया। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि अभिभावकों को एनईपी 2020 जैसी शैक्षिक नीतियों के बारे में बताएं और अपने बच्चे की शिक्षा में सहायता कैसे करें। रणनीतियों में नए शैक्षिक ढांचे पर जानकारी प्रदान करना, प्रभावी संचार को बढ़ावा देना, विश्वास का निर्माण करना और सहायक घरेलू वातावरण बनाकर माता-पिता को अपने बच्चे की शिक्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाना शामिल है। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने एस केजिया कल्पलथा तथा प्रभजोत कौर का आभार प्रकट करते हुए उनकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की तथा सभी ने कार्यशाला समापन किया।

सांगवान इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा रिया ने नेशनल सब जूनियर जूडो में जीता स्वर्ण पदक

रोहतक। हाल ही में छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित नेशनल सब जूनियर जूडो चैंपियनशिप में सांगवान इंटरनेशनल स्कूल की कक्षा सातवीं की छात्रा रिया ने स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय, अभिभावकों और पूरे हरियाणा का गौरव बढ़ाया। रिया ने अपने अद्वितीय प्रदर्शन, कड़ी मेहनत, निष्ठा और खेल के प्रति समर्पण से यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता ने एक बार फिर सिद्ध किया कि सांगवान इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी न केवल शिक्षा में बल्कि खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। विद्यालय प्रबंधक राजेश सांगवान, प्रधानाचार्या मनीषा सांगवान और विद्यालय समन्वयक प्रमिला सांगवान ने रिया को हार्दिक बधाई दी।

इंडस पब्लिक स्कूल में मनाया हिंदी दिवस

■ मंच संचालन का कार्य हिन्दी शिक्षिका कांता रानी ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को हिंदी दिवस मनाया गया। विद्यालय में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य दीपक कुमार वशिष्ठ ने बताया कि विद्यालय में पिछले 15 दिन से हिन्दी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। जिसके तहत छात्रों को हिंदी के शुद्ध उच्चारण व लेखन के लिए प्रेरित किया गया तथा छात्रों को पठन-पाठन कौशल, लेखन कौशल, शुद्ध उच्चारण व मात्राओं में सुधार के लिए प्रयास किया गया। विद्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदी अध्यापकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रवज्लन व सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसमें सभी शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुविचार, कविता, भाषण, लोकगीत, भजन, प्रश्नोत्तरी व खेल-खेल में मुहावरे व लोकोक्तियों की सुंदर प्रस्तुति दी गई। शिक्षिका सरोज बाला ने अपना सुविचार प्रस्तुत किया। हिंदी शिक्षिकाओं द्वारा लयात्मक शैली में रामायण व भक्तिकालीन कवियों के दोहे व चैपाइयों की मधुर प्रस्तुति दी गई। शिक्षिका सरिता ने कविता की प्रस्तुति दी। हिन्दी शिक्षिकाओं शांता बजाज व बबीता ने स्वरचित कविताओं की सुन्दर अभिव्यक्ति दी। शिक्षिका बीनू सांगवान द्वारा व्यक्तिगत ज्ञान, योग्यता और कौशल का परीक्षण के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई गई। शिक्षिका सुमन तोमर व जसवन्ती सिन्धु ने ओजस्वी भाषण द्वारा हिंदी भाषा के महत्त्व को बताया। शिक्षिका सितारा ने लोकगीत भजन की मनभावन प्रस्तुति के साथ खूब तालियां बटोरी। मंच संचालन का कार्य हिन्दी शिक्षिका कांता रानी द्वारा किया गया।

हिन्दी केवल भाषा नहीं हमारी पहचानः डॉ. एकता सिंधु

विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. एकता सिंधु ने अपने संदेश में सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दी उन्होंने कहा कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत, पहचान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों के अन्दर साहित्यिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद जरूरी हैं, हिंदी दिवस का आयोजन न केवल भाषा के प्रति सम्मान और गर्व का प्रतीक है बल्कि इससे बच्चों के अंदर भाषा की गहराई को समझने और सृजनात्मकता को बढ़ावा देने का अवसर मिलता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत ने 19222 मामलों का निपटारा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव द्वारा रोहतक कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। अदालत में पांच बेंच बनाए गए, जिनमें मुख्य रूप से रजनी यादव अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, आर्य शर्मा अतिरिक्त प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट निचली अदालत में, अमनदीप जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास, हिमांशु जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास व सुशीला जुडिशल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास की बेंच बनाई गई। अदालत में 22558 मुकदमों को रखा गया, जिनमें से 19222 मुकदमों का निपटारा मौके पर ही किया गया तथा इसमें कुल 22316148 रुपये का सेटलमेंट अमाउंट कोर्ट में भुगता गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

राजकीय महिला महाविद्यालय में हिंदी दिवस धूमधाम से मनाया

हिंदी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का प्रतीक

हरिभूमि न्यूज ⏭रोहतक

राजकीय महिला महाविद्यालय लाखन माजरा शनिवार को हिंदी दिवस बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। प्राचार्या इंदु सपरा के कुशल निर्देशन में हिंदी विभाग द्वारा अंतर-महाविद्यालय काव्य-पाठ एवं निबंध-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि यह संस्कृति, साहित्य और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हमें दैनिक जीवन में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना चाहिए, क्योंकि यह हमारे भावों और संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने वाली भाषा है।

रोहतक। विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्या इंदु सपरा व अन्य प्रोफेसर।

प्रतियोगिताओं में 46 छात्राओं ने भाग लिया

प्रतियोगिताओं में कुल 46 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मंडल में डॉ. प्रदीप सिवाच, विनोद कुमार, डॉ. मनीषा बेदी एवं डॉ. मधु बाला शामिल रहे। समापन सत्र में प्राचार्या ने विजेता छात्राओं को सम्मानित किया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। विभागाध्यक्ष डॉ. बलराम ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन एमए (हिंदी) द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने किया। इस अवसर पर अनिता अमानी, डॉ. अंजलि मान, डॉ. आशा ओंकार सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

भाषण प्रतियोगिता में रामप्यारी अव्वल

महम। भाषण प्रतियोगिता के विजेता रहे विद्यार्थी प्राध्यापकों के साथ।

महम। हिंदी दिवस के मौके पर राजकीय महाविद्यालय महम में हिन्दी विभाग द्वारा एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में महाविदयालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। भाषण के विषय के रूप में इंटरनेट और हिन्दी, भाषा और समाज का संबंध तथा भाषा और संस्कृति विषय का चयन किया गया। प्राचार्य सत्यव्रत ने विद्यार्थियों को हिन्दी का महत्व बताया। इस प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा रामप्यारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इसी कक्षा के अनुज ने दूसरा और वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका अनिल व रोमी ने निभाई। भाषण प्रतियोगिता के विजेता रहे विद्यार्थियों को प्रसंशा पत्र देकर सम्मानित किया गया।

14 से निः शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण आयुर्वेदिक महाविद्यालय ब्राह्मणवास में 15, 16 एवं 17 सितम्बर को निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में सभी रोगों की जांच और उपचार निःशुल्क उपलब्ध होगा। विशेष रूप से ब्रैस्ट कैंसर जांच (मेमोग्राफी) की सुविधा भी निःशुल्क प्रदान की जाएगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वारिज पाण्डेय ने बताया कि इस कैम्प में आयुर्वेदिक परीक्षण एवं आहार संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों का परामर्श व उपचार किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य की जांच अवश्य कराएं।

■ सभी रोगों की जांच व उपचार निःशुल्क उपलब्ध होगा

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 14 सितंबर 2025

विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा हिंदी की जड़ें प्राचीन भारतीय आर्य भाषा परिवार की है, जिसकी जननी संस्कृत है। संस्कृत, जिसे 'देववाणी' भी कहा जाता है। इसकी विशिष्टताओं ने हिंदी को आज विश्व के कोने-कोने तक पहुंच दिया है। अगर इसके प्रसार के लिए कुछ और प्रयास किए जाएं तो निस्संदेह इसका वर्चस्व और भी बढ़ेगा।

हिंदी दिवस विशेष

भारत की आत्मा है हिंदी

{ आवरण कथा / भूपेंद्र शर्मा }

आज हिंदी भाषा भारत तक सीमित नहीं है। यह विश्व भर में एक सशक्त पहचान बना चुकी है। दुनिया के कई देशों में लाखों लोगों द्वारा बोली जाती है। भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में, हिंदी सीखने से भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से के साथ संवाद एवं जुड़ने का अवसर मिलता है। भारत की विविध संस्कृति, जीवंत अर्थव्यवस्था तथा समृद्ध विरासत हिंदी को यात्रा, कार्य एवं सांस्कृतिक खोज के लिए एक श्रेष्ठ माध्यम बनाती है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिंदी में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ रही है। कई बहुराष्ट्रीय कंपनियां, विशेष रूप से जिनके भारत में निर्माण, उत्पादन कार्य या ग्राहक हैं, उन कर्मचारियों को महत्व देती है, जो हिंदी में प्रभावी ढंग से संवाद कर सकते हैं। हिंदी सीखना करियर की संभावनाओं को बढ़ा सकता है, खासकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, पत्रकारिता, अनुवाद एवं कूटनीतिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय भाषाओं का प्रवेश द्वार

हिंदी का विकास कई चरणों में हुआ। अपभ्रंश से होते हुए, इसने अपनी वर्तमान पहचान बनाई। मध्यकाल में खड़ी बोली के रूप में इसने अपनी नींव रखी, जो आगे चलकर आधुनिक हिंदी का आधार बनी। हिंदी भारत में बोली जाने वाली विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं को समझने एवं सीखने के लिए एक प्रवेश द्वार की तरह है। बंगाली, मराठी, गुजराती एवं पंजाबी सहित कई भारतीय भाषाएं व्याकरण, शब्दावली तथा लिपि के मामले में हिंदी के साथ समानताएं साझा करती हैं।

फिल्म उद्योग तक पहुंच

भारतीय फिल्म उद्योग में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में फिल्मों का निर्माण होता है, जिन्हें भारत में ही नहीं, विश्व के अनेक देशों में देखा जाता है। हिंदी सिनेमा की विश्व में अद्भुत लोकप्रियता है। विदेशों में हिंदी के प्रसार में हिंदी फिल्मों का बड़ा योगदान है। हिंदी फिल्में, हिंदी गीत एवं टीवी शो की जीवंत दुनिया हिंदी सीखने वालों के लिए बड़ा सरल माध्यम है। वहीं इनके माध्यम से विश्वभर में फैले भारतीय प्रवासियों के साथ भारत एवं भारतीय संस्कृति के अटूट, मधुर संबंध स्थापित होते हैं। इसीलिए हिंदी को भारत की आत्मा कहते हैं।

विश्व में 61 करोड़ हिंदी भाषी

वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के अनुसार, हिंदी भाषा वर्तमान समय में 61 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाती है। विश्व हिंदी सचिवालय मॉरीशस में स्थित है। यह सचिवालय हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए 11 फरवरी 2008 से कार्यरत है। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर अखिल भारतीय भाषा साहित्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा विभाग के प्रयास

सन 2019 से सभी 59 मंत्रालयों में हिंदी सलाहकार समितियों का गठन किया गया। अब तक कुल 528 नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन भी किया जा चुका है। विदेशों में भी लंदन, सिंगापुर, फिजी, दुबई एवं पोर्ट-लुई में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां बनाई गई हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने की भी पहल की है। पहला अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन बनारस में 13-14 नवंबर, 2021 को तथा 14 सितंबर 2022 को सूरत में दूसरा सम्मेलन आयोजित किया गया। इस साल पुणे में तीसरा अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। विभाग ने कुल 90 हजार शब्द का एक 'ई-महाशब्दकोष' मोबाइल एप तथा लगभग 9 हजार वाक्य का 'ई-सरल' वाक्यकोष भी तैयार किया है।

हिंदी की विशिष्टताएं

देवनागरी लिपि: हिंदी देवनागरी लिपि में लिखी जाती है, जो देखने में मनमोहक और ध्वन्यात्मक रूप से सटीक है। इसमें 11 स्वर एवं 33 व्यंजन हैं, जिनमें प्रत्येक ध्वनि का अलग स्वर एवं उच्चारण है।

स्वर की लंबाई: हिंदी में कुछ स्वर ध्वनियों का उच्चारण विस्तारित अवधि के साथ किया जा सकता है, जिससे शब्दों का अर्थ बदल जाता है। उदाहरण के लिए, 'मा' का अर्थ 'मां' है, जबकि 'मान' का अर्थ 'सम्मान' है।

मानद रूप: हिंदी व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक संबोधित करने के लिए मानद रूपों को शामिल करती है। बड़ों, सम्मानित व्यक्तियों या उच्च सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों से बात करते समय सम्मानजनक सर्वनामों, क्रिया रूपों एवं वाक्य संरचनाओं का उपयोग भाषा के सांस्कृतिक प्रभाव को सम्मान एवं शिष्टाचार के साथ प्रदर्शित करता है।

लिंग वाली संज्ञा: हिंदी में संज्ञाओं के तीन लिंग हैं। पुल्लिंग, स्त्रीलिंग एवं नपुंसकलिंग। एक संज्ञा का लिंग अकसर विशेषणों, क्रियाओं तथा सर्वनामों के समझौते को निर्धारित करता है, जो इसके साथ उपयोग किए जाते हैं।

सर्वनाम का अंतर: हिंदी एकवचन के लिए औपचारिक एवं अनौपचारिक सर्वनामों के बीच अंतर करती है। औपचारिक सर्वनाम 'आप' का प्रयोग सम्मान दिखाने या उच्च पदस्थ व्यक्ति को संबोधित करने के लिए किया जाता है, जबकि अनौपचारिक सर्वनाम 'तुम' का प्रयोग समान सामाजिक स्थिति वाले व्यक्तियों के साथ किया जाता है।

जटिल क्रिया प्रणाली: हिंदी की क्रिया प्रणाली में विभिन्न क्रिया रूप एवं काल हैं। क्रियाओं का संयोजन तनाव, पहलू, मनोदशा एवं विषय के साथ समझौते जैसे कारकों से प्रभावित होता है, जिससे भाषा की क्रिया संरचना जटिल तथा अभिव्यंजक हो जाती है।

संस्कृत का प्रभाव: हिंदी पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। कई हिंदी शब्दों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है, जो शब्दावली को समृद्ध करती है तथा भारत की प्राचीन सांस्कृतिक एवं दार्शनिक परंपराओं के साथ गहरा संबंध प्रदान करती है।

ध्वनि विविधता: हिंदी में ध्वनियों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिसमें स्वर, व्यंजन एवं नासिक्य ध्वनियां हैं। इसकी ध्वन्यात्मक सूची विविध मधुर उच्चारण प्रवाहित करती है।

क्षेत्रीय विविधता: भारत के विभिन्न हिस्सों में हिंदी की विभिन्न क्षेत्रीय बोलियां तथा शैली है। प्रत्येक क्षेत्र की अपनी शब्दावली, उच्चारण एवं व्याकरणिक विविधताएं हैं, जो हिंदी भाषी जनमन के भीतर भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

अभी अधूरा है विकास

हिंदी अपनी वैश्विक पहचान रखती है, किंतु इसके विकास के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

तकनीकी विकास: हिंदी में तकनीकी शब्दावली को अधिक विकसित करने की आवश्यकता है, ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इसका उपयोग बढ़ सके।

मानकीकरण एवं सरलता: बोल-चाल एवं लेखन में एकरूपता लाने के लिए मानकीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है।

सरकारी प्रोत्साहन: सरकार को हिंदी के उपयोग को सभी क्षेत्रों में बढ़ावा देना चाहिए, विशेषकर शिक्षा एवं प्रशासनिक कार्यों में।

वैश्विक मंचों पर उपयोग: अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास होने चाहिए। *

हिंदी दिवस और संविधान में स्थान

हिंदी दिवस मनाने का इतिहास भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है। 14 सितंबर 1949 को, भारतीय संविधान सभा ने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय हिंदी को राष्ट्र की एकता के सूत्र के रूप में स्थापित करने के लिए लिया गया था। पहला हिंदी दिवस 1953 में मनाया गया। यह दिन हमें भाषा के महत्व और उसके संरक्षण की याद दिलाता है। भारतीय संविधान के भाग-17 में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी उपबंध हैं। अनुच्छेद 120 (संसद में प्रयोग की जाने वाली भाषा) भाग 17 में अनुच्छेद 348 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, संसद में कार्य हिंदी में या अंग्रेजी में किया जाएगा। अनुच्छेद 343 (संघ की राजभाषा) संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा।

{ विचारणीय / लोकमित्र गौतम }

हिंदी को लेकर सहज नहीं युवा पीढ़ी

इसे विडंबना ही कहना चाहिए कि जिस हिंदी को बोलने, जिसमें मनोरंजन करने में युवा पीढ़ी खूब आनंद लेती है, उसे ही लिखने और पढ़ने में असहज रहती है। हालांकि इसके लिए सिर्फ वही नहीं जिम्मेदार है। ऐसे में इस समस्या के निराकरण के लिए परिवार, समाज से लेकर व्यवस्था तंत्र को भी विचार करना होगा।

भारत की कुल आबादी में से 65 फीसदी से ज्यादा युवा हैं, जिनकी उम्र 35 साल या इससे कम है। इनमें से 60 से 65 फीसदी युवा फर्राटे से हिंदी बोलते-समझते हैं। ये आमतौर पर हिंदी फिल्में भी देखते हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी हिंदी के कार्यक्रम चाव से देखते हैं। मगर इनकी एक ऐसी कमजोरी है, जिस पर आम लोगों का यकायक ध्यान नहीं जाता। इनमें से करीब आधे युवा ऐसे हैं, जो हिंदी बोलते हैं, समझते हैं, लेकिन प्रवीणता से हिंदी पढ़ और लिख नहीं पाते। कुछ पढ़ते भी हैं तो सहजता से शुद्ध-शुद्ध नहीं पढ़ पाते।

आधी युवा आबादी है असहज: देश में हिंदी बोलने वाले करीब आधे युवा हिंदी में कतई सहज नहीं है। ऊपर से देखने में यह कोई बहुत बड़ी समस्या नहीं लगती। यहां तक कि हिंदी भाषी मां-बाप को भी अपने हिंदी लिख और पढ़ न पाने में असहज बच्चों से किसी तरह की भावनात्मक परेशानी नहीं होती, लेकिन सच बात यह है कि हिंदी की सबसे कमजोर कड़ी यही युवा पीढ़ी है, जो ऊपर से तो हिंदी में बहुत सहज दिखती है, मगर भीतर से हिंदी को लेकर बिल्कुल असहज है। दरअसल, यही वह पीढ़ी है, जो अप्रत्यक्ष रूप में हिंदी को मौखिक भाषा तक सीमित करने में लगी है।

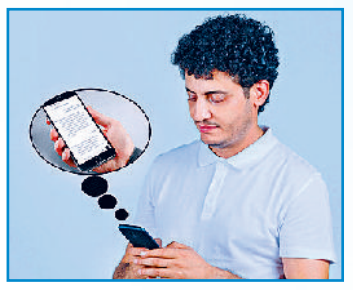

शैक्षिक-सांस्कृतिक विडंबना: यह सचमुच हिंदी के साथ बड़ी भाषाई विडंबना है, क्योंकि हिंदी बोलने वाले, हिंदी पढ़ने वाले, हिंदी में मनोरंजन करने वाले युवा बाहरी तौर पर यह प्रभाव देते हैं कि जैसे वो हिंदी सेवी हों। पर वास्तव में वो हिंदी सेवी नहीं होते। दक्षिण भारत में खासकर बेंगलुरु, चेन्नई में जिन उत्तर भारतीय युवाओं की पहचान हिंदीभाषी होने से है, वास्तव में ये हिंदीभाषी समझे जाने वाली युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा भी उन्हीं की तरह हिंदी में असहज है। भले यह बाहरी तौर पर हिंदी वाले लगते हों, पर सचमुच में ये हिंदी वाले नहीं हैं, हिंदी को इनसे फायदा कम, नुकसान ज्यादा होता है, क्योंकि हिंदी बोलना, हिंदी में बातें करना, हिंदी में मनोरंजन करना, लेकिन हिंदी लिख और पढ़ न पाना या इसमें सहज न हो पाना, सिर्फ भाषाई समस्या नहीं है। यह सांस्कृतिक और शैक्षिक त्रासदी भी है।

नहीं है हिंदी की गहरी समझ: दक्षिण या पश्चिम भारत के बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि उत्तर भारत के भी बड़े शहरों में ऐसे युवाओं की भरमार है। दिल्ली में भी 25 से 30 फीसदी ऐसे युवा हैं, जो बस हिंदी में बातें करते हैं, गाने सुनते हैं, वेब सीरीज देखते हैं, लेकिन सौ शब्दों का आवेदनपत्र हिंदी में नहीं लिख सकते। घंटों हिंदी में बहस करने वाले उस विषय पर एक पेज भी हिंदी में नहीं लिख पाते। यह इसलिए बड़ी समस्या है कि इससे हिंदी की असली समस्या पर पर्दा पड़ा रहता है। यह भ्रम बना रहता है कि हिंदी, बोलने, जानने और समझने वाले बहुत बड़ी तादाद में लोग हैं। लेकिन यह ऐसी ढोल के भीतर पोल वाली खोखली पीढ़ी है, जो न तो हिंदी का साहित्य जानती है, न कविता जानती है, न हिंदी के अखबार पढ़ती है और न ही हिंदी के ऐतिहासिक दस्तावेजों से ही इसका कोई परिचय है। ऐसे में भला यह पीढ़ी हिंदी का कैसे भला करेगी? यह तो उल्टा हिंदी में रह कर ही हिंदी को कमजोर करती है।

पहचान होती है मातृभाषा: अगर आप ऐसी पृष्ठभूमि से आते हैं कि आपके घर की भाषा यानी मातृभाषा हिंदी है और पढ़ाई और कामकाज की भाषा अंग्रेजी है, तो भले रोज के कामकाजी घंटों में आपको यह खुशफहमी रहती हो कि अपनी कमजोर हिंदी को लेकर आपमें किसी तरह की असहजता नहीं है, लेकिन वास्तविकता यह होती है कि अगर हम अपनी मातृभाषा को पढ़ने और लिखने में सहज नहीं होते तो हमारे अंदर एक स्वतः जन्मी हीन भावना हर समय रहती है। जो लोग अपनी मातृभाषा को सही से लिखना, पढ़ना नहीं जानते, उन्हें अपनी दुनिया के सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भों का भी पता नहीं होता। दिन रात अंग्रेजी पढ़ने वाले ज्यादातर भारतीय अंग्रेजी के मुहावरों, उसकी लोकोक्तियों में मौजूद गहरे सांस्कृतिक संदर्भों से कभी नहीं जुड़ पाते, इसलिए बहुत सी बातों को वो कभी भी गहराई से समझ नहीं पाते। हमें लिपि की कठिनाई का बहाना बनाकर अपनी भाषा से नहीं कटना चाहिए। एक बार अगर हम अपनी भाषा से कट गए, तो हम अपनी स्मृतियों से, पीढ़ीगत धरोहरों से और साहित्यिक विरासत से भी कट जाते हैं।

डिजिटल जीवनशैली का प्रभाव: इसमें आज की डिजिटल लाइफस्टाइल और बाहर के देशों से आने वाली तकनीकी का भी हाथ है। लेकिन इस आरोप से तो हम अपनी भाषा के साथ लगाव न रख पाने को सही नहीं ठहराते। माना कि डिजिटल युग में मोबाइल और सोशल मीडिया में रोमन लिपि में लिखे, पढ़े जाने का चलन है, जिससे देवनागरी की प्रैक्टिस खत्म होती है। लेकिन यह यूं ही स्वतः नहीं पैदा हो गया। इस स्थिति के पैदा होने में बकायदा सांस्कृतिक संदर्भों का योगदान है। आज जिस तकनीक का आप अपने जीवन में इस्तेमाल कर रहे हैं, वह किसी हिंदी भाषी ने नहीं विकसित की, वह इस तकनीक को हिंदी के अनुकूल क्यों विकसित करता? अतः हिंदी के साथ अपने सहज और आत्मीय रिश्ते आपको खुद ही रखने है, इसके लिए किसी तकनीकी कमी या उसके संकट को बहाना नहीं बना सकते। *

{ व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय }

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं।

हिंदी हमारी मदर टंग है

मुझे हिंदी दिवस के एक कार्यक्रम में जाना पड़ा। मैं जैसे ही माइक के सामने हुआ खड़ा, आयोजक ने कहा, 'आज आपको हिंदी पर एक कविता जरूर सुनानी है।'

मैंने कहा, 'तो सुनिए, जो हिंदी की कहानी है। हिंदी समस्त भारतीय भाषाओं की रानी है। हिंदी का बड़ा सम्मान है। यह हमारी आन-बान-शान है। इस पर हमें गर्व है, दर्प है, अभिमान है। क्योंकि हिंदी महान है।

हिंदी से हमें आशा है। हिंदी हमारी राजभाषा है। इसके स्मरण मात्र से पुलकित हो उठता हमारा अंग-अंग है। हिंदी हमारी मदर टंग है। मैं कहां तक करूं हिंदी की महिमा का बखान? हिंदी है सूर, तुलसी, मीरा, रसखान। इसीलिए हम इसकी पूजा करते हैं। वर्ष भर पूजाघरों में मूर्तिवत सजाकर-संवार कर धरते हैं। इस भाषा में नहीं है कोई खोट। इसे साल के बाकी दिनों में तलाशो तो हिंदी वैसे ही मिला करती है, जैसे किसी माफिया के पूजाघर में रखे हुए नंबर दो के करेंसी नोट।

हिंदी हमारी अभिलाषा है। यह हमारी राजभाषा है। इसलिए इसकी पूजा करना हमारी मजबूरी है। जैसे आज की सियासत में अशालीन होना जरूरी है।

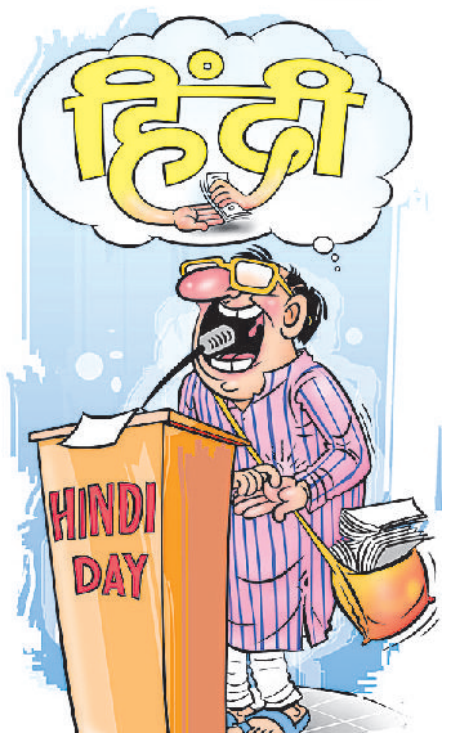

हिंदी का बड़ा महत्व है। हिंदी से हमें ममत्व है। हिंदी हमारे लिए वैसे ही है, जैसे गांव वालों के लिए मेला, जैसे मजदूरों के लिए ठेला और रैली में रेला। हिंदी हमारी शोभा है, हमारा अलंकार है। हिंदी हमारा अंतिम प्यार है। हिंदी का नाम लेते ही हमारे अधरों पर फूल खिलते हैं। हिंदी हमारे लिए इसलिए भी प्यारी है

क्योंकि हिंदी में मांगों तो वोट भी आसानी से मिलते हैं। इसीलिए तो हर राजनेता हिंदी के साथ दिखता है। अहिंदी भाषी सियासातदान भी हिंदी सीखता है।

हिंदी पर अब और कितना सुनाऊं मेरे भाई? हिंदी हमारे भाल की बिंदी है, और लोग हैं कि इतनी-सी बात समझ पाते नहीं कि मर्द बिंदी लगाते नहीं। तो आधी आबादी को छूट, बच गई आधी तो उसको भी है आजादी कि फैशन से फुर्सत हो तो बिंदी लगाएं। इस विदेशी कल्चर की क्यारी में हम कैसे हिंदी का प्लांट लगाएं? कहिए, आयोजक जी, अभी भी आपका मन नहीं भरा हो तो हम हिंदी पर और भी सुनाएं।'

आयोजक बोला, 'अब आप कृपापूर्वक जाएं और नेक्स्ट ईयर अगेन हिंदी पर ऐसी ही एक नई कविता लिखकर अवश्य लाएं।' *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC®

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ लघुकथा / शीला श्रीवास्तव }

हिंदी बनाम इंग्लिश

रिया बहुत देर से अपने कमरे में चहलकदमी कर रही थी। नमिता ने पूछा, 'क्या बात है बेटी, क्यों परेशान हो?'

'मेरे स्कूल में पैरेंट्स मीटिंग है, और पापा घर पर नहीं हैं।' रिया खीझे स्वर में अपनी मम्मी से बोली।

'अरे तो क्या हुआ? मैं हूं ना। मैं चलती हूं पैरेंट्स मीटिंग में।' मां बोलीं।

'आप तो रहने ही दें। आपको इंग्लिश बोलना कहां आती है? आप आएंगी तो मेरा स्कूल में मजाक ही बनेगा।' रिया का जवाब सुनकर मां स्तब्ध रह गई। इस बात के लिए वह अकसर अपने पति से भी खरी-खोटी सुनती थी, आज बेटी ने भी सुना दिया। कुछ दिनों बाद स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर एक प्रतियोगिता का आयोजन होने वाला था, जिसका शीर्षक था, 'हिंदी बनाम इंग्लिश।' रिया जानती थी, मम्मी की हिंदी पर बहुत अच्छी पकड़ है। उसने पहले मम्मी से अपने पिछले बर्ताव के लिए मांफी मांगी फिर बोली, 'मम्मी, प्लीज आप मेरे लिए एक स्पीच लिख कर दे दीजिए।' मां पूरे मनोयोग से स्पीच लिखने में जुट गई। उसकी मेहनत रंग लाई। रिया को प्रथम पुरस्कार मिला। स्कूल से आते ही रिया अपनी मम्मी के गले लग गई, बोली, 'आपके लिखे स्पीच ने आज मुझे स्कूल में फेमस कर दिया। यूं आर ग्रेट मम्मी! यह पुरस्कार मैं आपको समर्पित करती हूं।'

अपनी बेटी की नजरों में अपने लिए सम्मान देख मां की आंखें खुशी से छलक आईं। *

स्पेशलः इंजीनियर्स डे, 15 सितंबर

पिछली सदी में हुए भारत के महान सिविल इंजीनियर एम. विश्वेश्वरैया की जयंती को इंजीनियर्स डे के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको बता रहे हैं देश के अलग-अलग इलाकों में स्थित कुछ ऐसे निर्माणों के बारे में, जो इंजीनियरिंग की शानदार मिसाल पेश करते हैं। इनकी विशेषताओं के बारे में जानकर आप अचरज किए बिना नहीं रह पाएंगे।

देश में कई जगह मौजूद हैं इंजीनियरिंग के गौरवशाली प्रतीक

चिनाब पुल जम्मू-कश्मीर के रियासी में

बांद्रा-वर्ली सी लिंक मुंबई में

बेमिसाल

शिखर चंद जैन

अपने देश के अलग-अलग क्षेत्रों में निर्मित किए गए इंजीनियरिंग के ये नायाब नमूने हर किसी को हैरान कर देते हैं। ये गौरवशाली प्रतीक भारतीय इंजीनियरिंग की नई प्रगति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चिनाब रेलवे ब्रिज

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित यह विश्व का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। यह 359 मीटर ऊंचा है। अनूठा चिनाब ब्रिज पेरिस के एफिल टॉवर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इसका निर्माण कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन और इंजीनियरिंग संस्थान आईआईएससी बेंगलुरु द्वारा किया गया है। आईआईटी दिल्ली और आईआईटी रुड़की ने इसकी भूकंप सहनशीलता का विश्लेषण किया, जबकि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इसके विस्फोट-प्रतिरोधी होने की पुष्टि की।

यह 8 तीव्रता तक के भूकंप के झटके, 40 टन टीएनटी तक का विस्फोट, -20 डिग्री सेल्सियस तक तापमान और 266 किमी. प्रति घंटा की गति वाली आंधी को सहन करने की क्षमता रखता है। दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल माना जाने वाला चिनाब पुल, जम्मू और कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच स्थित है। यह उधमपुर, श्रीनगर, बारामुला रेलवे लिंक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर को शेष भारत से जोड़ना है। इसके कारण क्षेत्र में कनेक्टिविटी काफी सुविधाजनक हो गई है।

स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद (तेलंगाना) में स्थित यह विशाल प्रतिमा 11वीं शताब्दी के वैष्णव संत श्री रामानुजाचार्य की है। 5 फरवरी 2019 को, भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

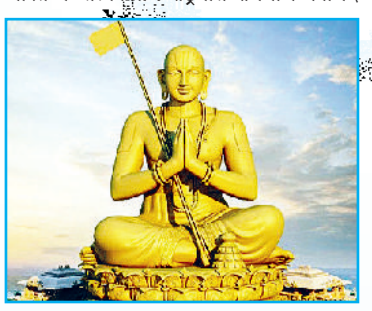

ने इस प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा समानता, न्याय और करुणा के उस दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसका उपदेश श्री रामानुजाचार्य ने मानवता को दिया था। स्टेच्यू ऑफ इक्वेलिटी की ऊंचाई 216 फीट है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है। यह मूर्ति एक विशेष कांस्य मिश्र धातु से बनी है, जिसे पंच धातु कहा जाता है। इसमें श्री रामानुजाचार्य को बैठी हुई मुद्रा, कमल मुद्रा, पद्मासन और पारंपरिक मुद्रा में दर्शाया गया है, जो शांति और ध्यान दोनों का प्रतीक माना जाता है। यह प्रतिमा 54 फुट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित है, जिस पर संग्रहालय और अनुसंधान केंद्र स्थित हैं। यह चबूतरा रामानुजाचार्य के संदेश के स्तंभों और आधुनिक विश्व में उनकी प्रासंगिकता का प्रतीक है। यह समाज में समानता और देश में एकता का प्रतीक भी है। इसके चारों ओर एक मंदिर परिसर और आगंतुकों के लिए एक उच्च-तकनीकी केंद्र है। यह प्रतिमा और परिसर इंजीनियरिंग के अद्भुत कौशल को प्रदर्शित करता है।

बांद्रा-वर्ली सी लिंक

मुंबई में रहने वाले बहुत से निवासी बांद्रा-वर्ली सी लिंक के जरिए यात्रा करते हैं। यह शानदार केबल-स्टेड ब्रिज भारत की आधुनिक इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का एक अनुपम उदाहरण है। 5.6 किलोमीटर लंबा यह पुल बांद्रा और वर्ली के व्यस्त उपनगरों को जोड़ता है, जिससे शहर की भीड़-भाड़ वाली सड़कों पर सफर का समय कम हो जाता है। केबलों को थामे रखने वाले विशाल खंभे समुद्र तल से 128 मीटर ऊपर हैं। 66 फीट चौड़े इस ब्रिज पर आठ लेन में आवागमन होता है। वर्ष 2000 में इसका निर्माण शुरू हुआ और वर्ष 2010 में यह आम जनता के लिए खोल दिया गया।

पीर पंजाल अटल रेलवे सुरंग

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में दर्ज, अटल सुरंग हिमाचल प्रदेश में मनाली-लेह राजमार्ग पर रोहतांग दर्रे के नीचे स्थित है। चुनौतीपूर्ण भू-भाग और जमा देने वाले तापमान में निर्मित, 9.02 किलोमीटर लंबी इस सुरंग को रोहतांग सुरंग के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण सर्दियों के महीनों में राजमार्ग के बंद होने की समस्या को दूर करने के लिए किया गया है, जिससे लाहौल और स्पीति अलग-थलग पड़ जाते थे। सुरंग के निर्माण से मनाली-केलांग मार्ग की दूरी 46 किलोमीटर कम हो गई है, जिससे इस दूरी की यात्रा का समय लगभग चार से पांच

घंटे कम हो गया है। हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को देखते हुए, इस सुरंग के निर्माण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी और इंजीनियरिंग कौशल का उपयोग किया गया। यह प्रभावशाली परियोजना आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग में भारत की विशेषज्ञता का गौरव है और भारत के सर्वश्रेष्ठ सिविल इंजीनियरिंग चमत्कारों में से एक है। *

धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल

मुंबई, महाराष्ट्र में स्थित यह एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय स्कूल है। यहां वर्षाजल का संचयन और ऊर्जा संरक्षण सहित समकालीन वास्तुकला सुविधाएं मौजूद हैं। डिजाइन से संबंधित आधुनिक विशेषताओं के लिए इसे सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में से एक माना जाता है क्योंकि यह स्थिरता के बारे में बहुत कुछ कहता है। स्कूल ने हाल ही में अत्याधुनिक सुविधाओं को शामिल किया है, जिसमें सौर पैनल और जल पुनर्चक्रण प्रणालियों सहित एडवांस्ड ग्रीन टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। अत्याधुनिक कक्षाएं और इंटरेक्टिव शिक्षण वातावरण एक सुव्यवस्थित परिसर में जोड़े गए हैं, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ शिक्षा में उत्कृष्टता पर जोर देते हैं। इंजीनियर्स के योगदान से ही इसका निर्माण संभव हो पाया है।

तेलंगाना राज्य का प्रसिद्ध लोक-महोत्सव बतकम्मा, महिलाओं के सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक पर्व है। भाद्रपद अमावस्या से शुरू होकर दुर्गाष्टमी तक नौ दिनों तक मनाए जाने वाले इस उत्सव के दौरान कला, संस्कृति और प्रकृति के आपसी जुड़ाव की निराली छटा दिखती है।

स्त्री सम्मान-प्रकृति प्रेम का प्रतीक लोक-महोत्सव बतकम्मा

सांस्कृतिक पर्व

सरिता सुराणा

हमारे देश में वर्ष भर त्योहारों का मेला लगा रहता है। सभी क्षेत्र, जाति और धर्म के लोग उत्साह-उमंग से विभिन्न पर्व मनाते हैं। लेकिन अलग-अलग राज्यों में भी अपने-अपने कुछ विशेष त्योहार मनाए जाते हैं। उन्ही में से एक है बतकम्मा पर्व। इसे तेलंगाना राज्य की महिलाएं मनाती हैं।

वातावरण में लहराती हैं स्वर लहरियां

छिन्निमा बतकम्मा, छिन्नारक्का बतकम्मा,
दादी मां बतकम्मा, दामेरमुतक्कल बतकम्मा।

ऐसे गीतों की मधुर स्वर लहरियां जब वातावरण में गूंजने लगती हैं तो समझ आ जाता है कि बतकम्मा पर्व आ गया है और संपूर्ण तेलंगाना में मातृशक्ति के प्रति सम्मान और प्रकृति प्रेम का सैलाब उमड़ रहा है।

इस पर्व में एक प्रतीकात्मक पुष्पों की प्रतिमा बनाई जाती है, जिसे बनाने के लिए कई रंगों के फूलों का उपयोग किया जाता है। इसलिए इसे रंगों का त्योहार भी माना जाता है। पूरे तेलंगाना में यह बतकम्मा पर्व नौ दिनों तक मनाया जाता है। इसमें बहुत सुंदर तरीके से फूलों से अलग-अलग आकृतियां बनाई जाती हैं, इसमें प्रयोग किए जाने वाले ज्यादातर फूल आयुर्वेदिक दृष्टि से भी उपयोगी होते हैं। इसमें फूलों से सात परतों से मंदिर के गोपुरम जैसी आकृति बनाई जाती है। तेलुगु भाषा में बतकम्मा का मतलब होता है, देवी मां जिंदा हैं। इस दिन बतकम्मा को महागौरी के रूप में पूजा जाता है, यह पर्व स्त्रियों के सम्मान के रूप में मनाया जाता है।

कब मनाया जाता है: हिंदू पंचांग के अनुसार यह पर्व श्राद्ध पक्ष, भादो की अमावस्या, जिसे महालय अमावस्या भी कहते हैं, के दिन शुरू होता है और नवरात्र की अष्टमी के दिन खत्म होता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार यह सितंबर-अक्टूबर महीने में मनाया जाता है। इस वर्ष यह पर्व 21 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा। यह मानसून के अंत में शुरू होकर शीत ऋतु के प्रारंभ तक मनाया जाता है।

ऐसे मनाते हैं पर्व: इस पर्व में फूलों से एक बड़े पर्वत जैसी आकृति बनाई जाती है। इसके सबसे ऊपरी भाग में हल्दी से गौरम्मा बनाकर उसे रखा जाता है। इस दौरान नाच-गाने का आयोजन किया जाता है। बतकम्मा का नाम बृहदाम्मा से ही उत्पन्न हुआ है। माना जाता है कि भगवान शिव-पार्वती को प्रसन्न करने के लिए यह त्योहार 1000 साल से उसी इलाके (वर्तमान तेलंगाना) में बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है।

जताते हैं प्रकृति के प्रति आभार: वर्षा ऋतु में सभी जगह पानी का प्रवाह होता है। नदी, तालाब एवं कुएं पानी से भर जाते हैं। उसके बाद धरती पर फूलों के रूप में पर्यावरण में बहार आ जाती है। इसी कारण प्रकृति का धन्यवाद देने के लिए तरह-तरह के फूलों के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस त्योहार को मनाने के लिए नव विवाहिताएं अपने मायके भी आती हैं। मान्यता है कि उनके जीवन में परिवर्तन लाने के लिए यह प्रथा शुरू की गई थी।

पर्व के शुरुआती पांच दिनों में महिलाएं अपने घर का आंगन स्वच्छ करती हैं और उसको गोबर से लीपा जाता है। सुबह जल्दी उठ कर उस आंगन में सुंदर-सुंदर मुग्गु बनाती हैं। कई जगह पर ऐप्पन से चौक बनाया जाता है, जिसमें सुंदर कलाकृति बनाई जाती है। चावल के आटे से बनी रंगोली का भी बहुत महत्त्व है। इस उत्सव में घर के पुरुष बाहर से नाना प्रकार के फूल एकत्र करते हैं, जिसमें सलोसिया, सेन्ना, मेरीगोल्ड, कमल, ककुर्बिता, कुकुमिस और बहुत से अन्य फूलों को एकत्रित किया जाता है। फूलों की तरह-तरह की परतें बनाई जाती हैं, उनके नीचे फूलों की पत्तियों से सजाया जाता है, इसे थंबलम के नाम से जाना जाता है। नौ दिन तक हर शाम महिलाएं और लड़कियां एकत्रित होकर नाचती, गाती हैं, ढोल बजाए जाते हैं। सब अपने-अपने बतकम्मा को लेकर आती हैं। इस दौरान महिलाएं पारंपरिक साड़ी, गहने पहनती हैं और लड़कियां लहंगा चोली पहनती हैं। सभी महिलाएं बतकम्मा के चारों ओर गोला बनाकर क्षेत्रीय भाषा में गीत गाती हैं। महिलाएं अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए माता पार्वती से प्रार्थना करती हैं। अष्टमी पूजा के बाद बतकम्मा को तालाब के पानी में विसर्जित कर दिया जाता है। *

किसी भी ग्रह से टूटकर पृथ्वी पर गिरे उल्कापिंड उस ग्रह के इतिहास और उसकी संरचना को समझने में मदद करते हैं। इसका उपयोग गहनों एवं सजावटी वस्तुओं में भी किया जाता है। यही वजह है कि ग्रहों के इन टुकड़ों की कीमत बहुत अधिक होती है। जानिए इस बारे में विस्तार से।

महत्वपूर्ण और कीमती होते हैं ग्रहों से टूटकर गिरे उल्कापिंड

रोचक

अंजू जैन

हाल ही में मंगल ग्रह से आए एक उल्कापिंड, NWA 16788, की न्यूयॉर्क में 'गीक वीक 2025' नीलामी हुई है। यह उल्कापिंड पृथ्वी पर पाया गया अब तक का सबसे बड़ा मंगल ग्रह का टुकड़ा माना जाता है, जिसका वजन 24.5 किलोग्राम है। इसकी अनुमानित कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए (लगभग 1.8 से 3.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के बीच है।

क्या है NWA 16788: यह एक शर्गोटाइट उल्कापिंड है, जो मंगल ग्रह की भूगर्भीय संरचना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी देता है। यह सहारा रेगिस्तान में पाया गया था और मंगल ग्रह की सतह से उत्पन्न हुआ माना जाता है। इसकी सतह पर लाल-भूरी फ्यूजन क्रस्ट है, जो अंतरिक्ष में इसकी यात्रा के दौरान उच्च तापमान के कारण बनी। यह मंगल ग्रह की मिट्टी से बना है और इसकी उम्र लगभग 74.2 करोड़ साल पुरानी बताई जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: यह उल्कापिंड मंगल ग्रह के इतिहास और संरचना को समझने में मदद करता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह उस समय के मंगल ग्रह की सतह का हिस्सा हो सकता है, जब वहां पानी मौजूद था।

मूल्य और विशेषता: इसकी कीमत 15 से 30 करोड़ रुपए के बीच अनुमानित है, जो इसे अब तक के सबसे महंगे उल्कापिंडों में से एक बनाता है।

क्यों होते हैं इतने महंगे: ग्रहों या उल्काओं से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़े, जिन्हें उल्कापिंड कहा जाता है, कई कारणों से महंगे होते हैं। इनमें शामिल हैं-

दुर्लभता: उल्कापिंड अंतरिक्ष से पृथ्वी पर बहुत कम मात्रा में पहुंचते हैं। इनमें से कुछ विशेष प्रकार, जैसे चंद्रमा या मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड, अत्यंत दुर्लभ होते हैं, जिससे उनकी कीमत बढ़ जाती है।

वैज्ञानिक महत्व: उल्कापिंड ग्रहों की उत्पत्ति के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक इनका अध्ययन ग्रहों की भौतिक-रासायनिक संरचना और प्राचीन इतिहास को समझने के लिए करते हैं, जिससे इनकी मांग बढ़ती है।

सौंदर्य और संग्रहणीयता: कुछ उल्कापिंडों में अनोखे पैटर्न (जैसे विडमैनस्टेटन पैटर्न) या रंग होते हैं, इस कारण इनका उपयोग गहनों या सजावटी वस्तुओं के निर्माण में भी किया जाता है।

उत्पत्ति: चंद्रमा, मंगल या विशिष्ट क्षुद्रग्रहों से आए उल्कापिंड अत्यंत मूल्यवान होते हैं, क्योंकि ये पृथ्वी के बाहर की सामग्री होते हैं। उल्कापिंडों को खोजने, पुनर्प्राप्त करने और उनकी प्रामाणिकता सत्यापित करने में समय, संसाधन और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व: कुछ संस्कृतियों में उल्कापिंडों को पवित्र माना जाता है, जैसे भारत में कुछ प्राचीन मंदिरों में रखे गए उल्कापिंड।

ग्रहों के टुकड़ों के प्रकार: ग्रहों से टूट कर पृथ्वी पर गिरे टुकड़ों के कई प्रकार होते हैं, जैसे-

उल्का पिंड: जब उल्का पृथ्वी के वायुमंडल से गुजर कर सतह पर पहुंचती है, तो उसे उल्कापिंड कहते हैं।

उल्का: अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर आने वाला पदार्थ जो वायुमंडल में जलता है और 'टूटता तारा' जैसा दिखता है।

क्षुद्रग्रह: अंतरिक्ष में चक्कर लगाने वाले बड़े चट्टानी पदार्थ, जिनके टुकड़े उल्कापिंड के रूप में पृथ्वी पर गिर सकते हैं।

चंद्र उल्का पिंड: चंद्रमा से उत्पन्न होने वाले उल्का पिंड।

मंगल उल्का पिंड: मंगल ग्रह से आए उल्कापिंड।

पैलासाइट: लोहे और सिलिकेट खनिजों से बने विशेष उल्का पिंड, जो अकसर सुंदर क्रिस्टल पैटर्न दिखाते हैं।

कोन्ड्राइट: सबसे आम उल्कापिंड, जिनमें सौरमंडल की प्राचीन सामग्री होती है।

इनके अलावा भी विभिन्न ग्रहों से टूटकर गिरे टुकड़ों या उल्कापिंडों के अलग-अलग कई प्रकार एवं अलग-अलग नाम होते हैं।

अब हम आपको अब तक मिले कुछ बेहद महत्वपूर्ण उल्कापिंड और उनकी कीमत के बारे में बताते हैं।

होबा उल्कापिंड: नामीबिया में 1920 ई. में पाया गया लगभग 60 टन वजनी यह उल्कापिंड अब तक का ज्ञात सबसे बड़ा एकल उल्कापिंड है। इसका बाजार मूल्य निर्धारित नहीं है, क्योंकि यह वहां की राष्ट्रीय संपत्ति है, लेकिन इसकी कीमत अरबों रुपए हो सकती है।

फुकांग पैलासाइट: साल 2000 में चीन में पाया गया यह उल्का पिंड पैलासाइट (लोहा और ओलिवाइन क्रिस्टल) कैटेगरी का है। यह अपने सुंदर क्रिस्टल पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। इस उल्कापिंड के इसके छोटे टुकड़ों की कीमत 20 से 50 डॉलर प्रति ग्राम तक हो सकती है।

चेल्याबिंस्क उल्कापिंड: साल 2013 में रूस में गिरा साधारण कोन्ड्राइट प्रकार का यह उल्का पिंड एक खास वजह से प्रसिद्ध है। दरअसल, 2013 में इसके गिरने से एक बड़ा विस्फोट हुआ था, जिसने इसे विश्व प्रसिद्ध बनाया। इसके टुकड़ों की कीमत 1 से 10 डॉलर प्रति ग्राम तक रही है।

नखला उल्कापिंड: मिस्र में साल 1911 में गिरा यह उल्कापिंड मंगल ग्रह से गिरे होने की पुष्टि वाला पहला उल्कापिंड है। इसकी कीमत प्रति ग्राम 100 से 300 डॉलर तक तक हो सकती है।

एलेंडे उल्कापिंड: मैक्सिको में 1969 ई. में गिरे कार्बोनेशियस कोन्ड्राइट प्रकार के इस उल्कापिंड में सौरमंडल की सबसे प्राचीन सामग्री और कार्बनिक यौगिक पाए गए हैं, जो जीवन की उत्पत्ति के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसकी कीमत प्रति ग्राम 1 से 5 डॉलर अनुमानित है। लेकिन इसके दुर्लभ टुकड़ों की कीमत अधिक हो सकती है। *

सिने संवाद

डी.जे. नंदन

बॉलीवुड फिल्मों की बात करें तो शुरुआत से लेकर अब तक की फिल्मी संवाद की भाषा हिंदी में अनेक परिवर्तन देखने को मिलते हैं। हर अदाकार अपने अंदाज में हिंदी तो बोलता ही है, समय और पीढ़ी के अनुसार भी इसमें बदलाव आते रहे हैं। इन बदलावों पर एक नजर।

पहले के दौर से कितनी बदली बॉलीवुड फिल्मों की हिंदी

'राजी' में आलिया भट्ट के संवाद रहे असरदार

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हैं 'गुड लक जेरी' के संवाद

अगर आप हिंदी फिल्मों के शौकीन हैं तो बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली आज की हिंदी में पिछली सदी के पचास, साठ, सत्तर और अस्सी के दशकों की बॉलीवुड फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी से कुछ अंतर महसूस करते होंगे। क्या फर्क है तब और अब की फिल्मों की हिंदी में, एक दृष्टि डालते हैं।

बीते दौर की बॉलीवुड फिल्मों में हिंदी: पिछली सदी के सत्तर और अस्सी के दशक के एक्टर्स की बात करें तो अमिताभ बच्चन की हिंदी बहुत समृद्ध थी, साथ ही उसमें हमेशा 'संवाद अदायगी' का एक मंचीय असर दिखता था। उनसे पूर्व दिलीप कुमार के संवाद इतने अधिक अभिनय केंद्रित हुआ करते थे कि दर्शक डायलॉग्स को सुनने की बजाय देखने लगता था। दिलीप

'उधम सिंह' में विक्की कौशल

कुमार के संवादों में हिंदी-उर्दू मिश्रित भाषा देखने को मिलती है।

ऐसे ही अभिनेता राजकुमार की संवाद अदायगी में उर्दू-शैली का असर दिखता था, जो उनकी अभिजातीय छवि का हिस्सा बनता था। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'पाकीजा' में उनकी संवाद अदायगी को देखा जा सकता है। अपने जमाने में राजेश खन्ना या शत्रुघ्न सिन्हा जैसे अभिनेता अकसर अपने मूल क्षेत्रीय लहजों को पूरी तरह छोड़े बिना हिंदी बोलते थे। यह उस दौर में 'स्वाभाविक' ही माना जाता था।

अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री स्मिता पाटिल भाषा को साधने में माहिर थीं। वह बहुत अच्छी हिंदी बोलती थीं। उनके द्वारा बोले गए संवाद बहुत गूंजदार, ठहराव से भरे होते थे। उनके संवादों में लयात्मकता होती थी और इसमें कविताई का आभास होता था। समग्रता में देखा जाए तो पिछली सदी के 70 और 80 के दशक में अभिनेता हिंदी को एक खास छंद, ठहराव और 'दबाव' के साथ बोलते थे। यह एक 'शास्त्रीय लहजा' था, जो दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन, शबाना आजमी, स्मिता पाटिल आदि कलाकारों की संवाद अदायगी में दिखता था।

आज के फिल्मों की हिंदी: हर दौर की अपनी एक अलग भाषा, संवाद का एक अलग सलीका होता है। यह बात हिंदी फिल्मों पर भी लागू होती है। आज की फिल्मों की हिंदी पहले की फिल्मों से बेहतर भले न हो, यह पहले की तुलना में अलग जरूर है और असरदार भी। आज फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी ज्यादा लचीली, संवादधर्मी और ग्लोबल शहरी अनुभव से जुड़ी है। यह किसी खास उच्चारण और लहजे में नहीं बोली जाती बल्कि यह हमारे-आपके जैसे सामान्य लोगों की तरह ही बोली जाती है।

हिंदी बोलने में दिखता है आत्मविश्वास: आज की पीढ़ी के अभिनेता और अभिनेत्रियां हिंदी को पूरे आत्मविश्वास से बोलते हैं। उदाहरण के तौर पर फिल्म 'सरदार उधम सिंह' के संवाद 'जो लहू नहीं खौला, वो लहू नहीं...' को देखा जा सकता है। फिल्म में विक्की कौशल पूरे आत्मविश्वास और गहराई के साथ हिंदी बोलते हैं। न संवादों में कोई बनावट, न हिचक। फिल्म के संवादों के उच्चारण में हिंदी की शुद्धता भले गायब हो, लेकिन हिंदी के लिए गर्व और सहजता यहां साफ देखा जा सकता है।

दिखता है सहज भाषाई प्रवाह: आज की बॉलीवुड फिल्मों में सहज भाषाई प्रवाह दिखता है। इसका एक खूबसूरत उदाहरण आलिया भट्ट की फिल्म 'राजी' है। इस फिल्म में

भाषा को साधने में माहिर थीं स्मिता पाटिल

एक कश्मीरी लड़की की भूमिका निभाते हुए आलिया ने जिस तरह की हिंदी बोली है, उसमें पानी जैसा बहाव है। कोई भी शब्द या संवाद अतिरिक्त जोर देकर नहीं बोला गया था, फिर भी ये असरदार थे।

क्षेत्रीय प्रभाव से मुक्त हिंदी: आज के दौर की फिल्मों में बोली जाने वाली हिंदी की एक और खास बात यह है कि आज के ज्यादातर अभिनेताओं और अभिनेत्रियों का उच्चारण और लहजा क्षेत्रीयता से मुक्त है। उदाहरण के तौर पर जान्हवी कपूर की 'गुड लक जेरी' को देखा जा सकता है। फिल्म में जान्हवी को बिहारी-पंजाबी पृष्ठभूमि का दिखाया गया है, फिर भी उनका उच्चारण क्षेत्रीयता से मुक्त 'न्यूट्रल शहरी हिंदी' जैसा है।

कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर: आज के अभिनेताओं को मंचीय प्रशिक्षण, स्क्रिप्ट वर्कशॉप्स और संवाद को स्वाभाविक बनाने की ट्रेनिंग मिलती है। आज के दौर में संवाद अदायगी की नाटकीय शैली के स्थान पर रोजमर्रा की जिंदगी में बोली जाने वाली हिंदी और इसकी कैजुअल फ्लुएंसी पर जोर दिया जाता है। विक्की कौशल, राजकुमार राव, तापसी पन्नू, भूमि पेडनेकर, ये सभी संवादों में हिंदी को आत्मसात करके बोलते हैं। ये हिंदी को 'परफॉर्म' नहीं करते, बल्कि 'जीते' हैं।

कुल मिलाकर, फिल्मों में आज की पीढ़ी की हिंदी ज्यादा कैजुअल, लचीली और वास्तविक जिंदगी से जुड़ी लगती है। पहले के फिल्मों की हिंदी भाषा में 'भाषाई सौंदर्य' था, आज के फिल्मों की हिंदी में 'संवादिक सहजता' है। *